राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 25 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-216 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लेखक एसएल भैरप्पा का निधन

बेंगलुरू कन्नड़ भाषा के प्रसिद्ध भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक और स्क्रिप्ट राइटर एसएल भैरप्पा का बुधवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 94 साल के थे। उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कार भी मिल चुके हैं। वे भारतीय सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं के अपने गहन ज्ञान और अपने बचपन के ग्रामीण और शहरी अनुभवों के लिए जाने जाते थे। उनके कई उपन्यासों जैसे वनवृक्ष, पर्व, तांड, कथ और सार्थ का मराठी और अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें उनके कार्यों के लिए साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने एसएल भैरप्पा के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि भैरप्पा एक निडर और कालातीत विचारक थे। उन्होंने अपनी विचारोत्तेजक रचनाओं से कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया।

एआर रहमान को मिली राहत

नई दिल्ली दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान के खिलाफ सिंगल-जज द्वारा दिए गए अस्थायी रोक के आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश 2023 की तमिल फिल्म पोन्नियिन सेलवन 2 के गाने वीरा राजा वीरा के कॉपीराइट उल्लंघन मामले में दिया गया था। बार और बेंच के अनुसार, रहमान ने इस आदेश के खिलाफ अपील दाखिल की थी। डिवीजन बेंच के जस्टिस सी. हरि शंकर और ओम प्रकाश शुक्ला ने अपील पर आदेश पारित किया। कोर्ट ने कहा, हमने अपील को स्वीकार किया है। हमने सिंगल-जज के आदेश को रद्द किया है। यह आदेश केवल प्रिंसिपल पर आधारित है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि उन्होंने अभी उल्लंघन के मुद्दे पर कोई फैसला नहीं किया है।

तिहाड़ जेल परिसर से मकबूल भट्ट और अफजल गुरु की कब्रों को हटाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के संस्थापक मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने वाली याचिका को खारिज किया है। दिल्ली अदालत ने मामले को अत्यधिक संवेदनशील बताकर कहा कि इस पर निर्णय सरकार द्वारा फांसी के समय सोच-समझकर लिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करने के पीछे ये मुख्य कारण बताए हैं। दिल्ली की अदालत के अनुसार, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सरकार ने फांसी के समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था कि दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया जाए। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद इसतरह के मामलों को दुबारा खोलना सही नहीं है, क्योंकि यह निर्णय उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। दिल्ली अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है। जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफनाने या अंतिम संस्कार करने से नहीं रोकता, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है।बता दें कि अफजल गुरु को 2001 के संसद हमले का दोषी ठहराया गया था और 2013 में उन्हें तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इसी तरह, मकबूल भट्ट को भी वहीं फांसी दी गई थी। दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया गया था।

पहलगाम आतंकी हमले में आतंकवादियों की मदद करने वाला गिरफ्तार

श्रीनगर पहलगाम आतंकी हमले के करीब 5 महीने बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को मदद करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकी सहयोगी की पहचान दक्षिण कश्मीर के मो। यूसुफ कटारिया के रूप में हुई है। 26 वर्षीय यूसुफ कटारिया जम्मू-कश्मीर में टीचर है। कटारिया लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा बताया गया है। श्रीनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। उसे अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऑपरेशन महादेव में मारे गए लश्कर आतंकवादियों से बरामद उपकरणों और हथियारों की जांच के बाद से पुलिस मोहम्मद कटारिया तक पहुंची। ऑपरेशन महादेव में सुरक्षाबलों ने तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया था, जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार थे।

लेह में छात्रों और युवाओं का हिंसक प्रदर्शन

भाजपा दफ्तर को आग के हवाले किया

पुलिस वैन में लगा दी आग,पुलिस ने उग्र छात्रों पर लाठीचार्ज किया

लेह

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की राजधानी लेह में छात्रों और युवाओं का प्रदर्शन ने तब हिंसक रूप ले लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के दफ्तर पर पत्थरबाजी कर ऑफिस को आग के हवाले कर दिया। आंदोलनकारी युवाओं को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इससे लोग और उग्र हो गए और पत्थरबाजी करने लगे। पुलिस कार्रवाई से भड़के प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस वैन को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने उग्र छात्रों पर लाठीचार्ज भी किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा कार्यालय के बाहर सुरक्षा वाहन को आग लगा दी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है। छात्रों का यह विरोध प्रदर्शन लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के समर्थन में है। इसी मांग को लेकर मशहूर पर्यावरणविद सोनम वांगुचक बीते 15 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उन्हीं के समर्थन में छात्रों का बड़ा हुजूम लेह की सड़कों पर उतरा और केंद्र सरकार से लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करने लगा।

इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों की पुलिस से भिड़ंत हो गई और देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की फिर सीआरपीएफ की गाड़ियां फूंक दी। भाजपा दफ्तर को भी आग के हवाले कर दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालात को देखकर अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। बता दें कि बुधवार को लोगों ने वांगचुक के समर्थन में लद्दाख बंद का आह्वान किया था। इसके बाद सैकड़ों लोग लेह की सड़कों पर उतर आए थे। जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक और उनके कई साथी 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने 6 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया है। इसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल हैं।

प्रदर्शनकारियों की चार प्रमुख मांगें हैं। पहली लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिले। दूसरी, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करे। तीसरी, लद्दाख में लोकसभा सीटें बढ़ाकर दो करे और चौथी लद्दाख की जनजातियों को आदिवासी का दर्जा मिले। छात्रों ने इन मांगों के समर्थन में रैली भी निकाली है। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त करते हुए केंद्र सरकार ने

जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। जम्मू-कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश जबकि लेह, लद्दाख और करगिल को मिलाकर एक प्रदेश बनाया गया था

पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई संपन्न, कांग्रेस ने कहा

बिहार में बनेगी महागठबंधन की सरकार

जनता से सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होता उससे पहले पटना में बुधवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक करीब साढ़े चार घंटे चली और इसमें कांग्रेस की शीर्ष इकाई ने कई राजनीतिक, कूटनीतिक और सामाजिक प्रस्ताव पारित किए। पार्टी ने इस बैठक के बाद स्पष्ट संकेत दिए कि महागठबंधन की सरकार बिहार में दो महीने के भीतर बनने जा रही है। इसी के साथ कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सलमान खुर्शीद, सचिन पायलट जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पटना के सदाकत आश्रम स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अयोजित बैठक में हिस्सा लेने सुबह राहुल गांधी पहुंचे। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, कि तेलंगाना में सितंबर 2023 में सीडब्ल्यूसी की बैठक के दो महीने बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी, और बिहार में भी दो महीने के भीतर महागठबंधन सत्ता संभालेगा। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान का विस्तार किया जाएगा और पार्टी संगठन को मजबूत किया जाएगा।

खड़गे ने सीएम-पीएम पर साधा निशाना

बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी और नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार को मानसिक रूप से रिटायर्ड मानती है और उन्हें बोझ समझती है। खड़गे ने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ और वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर एनडीए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत संकट में है, और इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नाकामी और उनके दोस्त हैं। यहां पर खड़गे ने चेताया कि बिहार की तर्ज पर देशभर में वोट चोरी की साजिश की जा रही है, जिससे दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और गरीब नागरिकों के राशन, पेंशन, दवाई और शिक्षा के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

इस अवसर पर जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का नेतृत्व देश में बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महागठबंधन के सत्ता में आने की संभावना व्यक्त की और कहा, बिहार में दो महीने के भीतर गठबंधन सरकार गठन की राह साफ है।

इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस न सिर्फ बिहार में विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप दे रही है, बल्कि संगठन और जनता के बीच संबंध मजबूत करने पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने संकल्प अभियान के माध्यम से राज्य की जनता को सक्रिय सहयोग के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस ने जनता से अपील की है कि वो पार्टी को सक्रिय व प्रभावी सहयोग प्रदान करे।

एक देश, एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक, पीपी चौधरी बोले-

देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा

नई दिल्ली

एक देश, एक चुनाव (ओएनओई) को लेकर देशभर में बातचीत तेज है। ऐसे में संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में भाजपा सांसद और समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि इसका देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव होगा। इस विषय पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अर्थशास्त्रियों को भी बुलाया गया है ताकि चुनावों के साथ-साथ होने वाले फायदे और नुकसान को समझा जा सके।

चौधरी ने बताया कि राम नाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे देश की जीडीपी में 1.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी, जिससे लगभग 7 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ होगा। इसके साथ ही, चुनावी खर्च और मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू होने के बाद सरकारी अधिकारियों का चुनावी मोड में चले जाने से आम जनता की समस्याओं पर ध्यान न देना और पर्यटन उद्योग को नुकसान होने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

संयुक्त राष्ट्र में दिए भाषण में राष्ट्रपति सुबियांतो ने किया ॐ शांति, शांति ॐ का ज़िक

न्यूयॉर्क

दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का संयुक्त राष्ट्र में दिया गया भाषण चर्चा का केंद्र बन गया है। इसकारण उन्होंने अपने भाषण का समापन कई धर्मों के अभिवादन के साथ किया। जिसमें हिंदू धर्म में कहे जाने वाले ओम शांति, शांति ओम का भी जिक्र था। दरअसल यूएन महासभा के 80वें सत्र को संबोधित कर सुबियांतो ने वैश्विक शांति, न्याय और समान मौकों की वकालत की। उन्होंने चेतावनी दी कि मानवीय मूर्खता, जो भय, नस्लवाद, नफरत, उत्पीड़न और रंगभेद से प्रेरित है, वह हमारे साझा भविष्य को खतरे में डाल रही है। अपने भाषण को उन्होंने संस्कृत मंत्र ॐ शांति, शांति ॐ के साथ समाप्त किया, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सामंजस्य का संदेश देता है।

राष्ट्रपति सुबियांतो ने घोषणा की कि इंडोनेशिया शांति के लिए 20,000 या उससे अधिक सैनिकों को गाजा या फिलिस्तीन के अन्य क्षेत्रों में तैनात करेगा है। उन्होंने कहा, इंडोनेशिया आज संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा बलों में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

हम केवल शब्दों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ शांति चाहते है।

गाजा में विनाशकारी स्थिति पर चिंता जताते हुए, जहां निर्दोष लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं, उन्होंने कहा, राष्ट्रों के समुदाय को इस तबाही को रोकने के लिए निर्णायक रुख अपनाना होगा, अन्यथा विश्व अंतहीन युद्धों और बढ़ती हिंसा के खतरनाक दौर में प्रवेश करेगा। अपने भाषण के अंत में, उन्होंने विभिन्न धार्मिक अभिवादन अस्सलामुअलैकुम वारहमतुल्लाहि वबरकातुह, शालोम, साल्वे, ओम शांति शांति शांति ओम के साथ सभी को शांति का संदेश दिया।

उन्होंने कहा, एकमात्र समाधान यही है कि अब्राहम के दो वंशज, दो राष्ट्र, सुलह, शांति और सामंजस्य में एक साथ रहें।

अरब, यहूदी, मुस्लिम और ईसाई एक साथ रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि इंडोनेशिया इस दृष्टिकोण को वास्तविकता बनाने में हिस्सा लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी देशों से इस नेक लक्ष्य की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

बंगाल में भारी बारिश से मची तबाही अब तक 10 की मौत, स्कूल, कॉलेज बंद

कोलकाता

मानसून चला-चली की बेला में है। लेकिन जाते जाते पश्चिम बंगाल में तबाही मचा रहा है। यहां हुई भारी बारिश के कारण अब तक दस लोगों की मौत हो गई जबकि रेलवे यार्ड में पानी घुस गया। हालात इतने खराब हैं की हवाई,रेल और लोकल परिवहन भी प्रभावित हुआ है। स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। तेज बरसात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सड़क से लेकर रेलवे यार्ड तक पानी में डूब चुके है। दुर्गा पूजा का मजा किरकिरा हो गया है। मौसम वभिाग ने कई प्रभावित राज्यों के लिए ताजा पूर्वानुमान जारी किया है, जिसके मुताबिक 26 सितंबर 2025 तक कोलकाता वासियों को भारी से बहुत भारी बारिश से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

कोलकाता में रातभर हुई तेज बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया। हालात को देखते हुए पश्चिम बंगाल में स्कूलों में दुर्गा पूजा की छुट्टियां पहले ही घोषित कर दी गई हैं। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिसे ध्यान में रखते हुए 24-25 सितंबर को स्कूल और कॉलेज बंद रखने का ऐलान किया गया है। कोलकाता और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में मंगलवार रात हुई तेज बारिश ने लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त कर दी। सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे बस-टैक्सी और अन्य सार्वजनिक परिवहन लगभग ठप हो गए। जलभराव और उफान लगे नालों के कारण शहर में कई रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हुईं। स्थिति को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने सरकारी स्कूल और कॉलेजों में दुर्गा पूजा की छुट्टियों की तारीख पहले से घोषित कर दी है। राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने ट्वीट किया, राज्य में अभूतपूर्व आपदा जैसी स्थिति बनी हुई है। मौजूदा स्थिति में हमारे छात्रों को राहत देने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह को ध्यान में रखते हुए, कल और परसों यानी 24 और 25 सितंबर 2025 को सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है।कोलकाता के कुछ हिस्सों में कुछ ही घंटों में 330 मिमी से ज्यादा बारिश हुई, जबकि शहर और उसके उपनगरों के ज्यादातर हिस्सों में औसतन 250 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई।

पीएम मोदी ने कैबिनेट के अहम फैसलों को सराहा

बोले- मेडिकल शिक्षा, शिपबिल्डिंग, इंफ्रा और अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिए गए अहम निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये कदम देश के स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचा और अनुसंधान क्षेत्र को नई ताकत देंगे। कैबिनेट ने केंद्रीय सहायता प्राप्त योजना के तीसरे चरण के तहत पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे भारत का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा और मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। तीसरे चरण के तहत 5,000 पीजी और 5,023 एमबीबीएस सीटों के विस्तार के लिए प्रति सीट 1.50 करोड़ रुपये की अधिकतम लागत तय की गई है। यह कदम देश के हर हिस्से में प्रशिक्षित डॉक्टर उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने भारत के शिपबिल्डिंग और समुद्री क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए कैबिनेट द्वारा अनुमोदित 69,725 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की भी सराहना की। इस योजना के तहत चार स्तंभों वाली रणनीति अपनाई जाएगी, जिसमें घरेलू क्षमता बढ़ाना, दीर्घकालिक वित्तपोषण सुधारना, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड का विकास, तकनीकी क्षमता और कौशल विकास, तथा कानूनी और नीतिगत सुधार शामिल हैं। शिपबिल्डिंग वित्तीय सहायता योजना को 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया गया है, जिसमें 24,736 करोड़ रुपये का कुल कोष शामिल है। शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट के लिए 4,001 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और राष्ट्रीय शिपबिल्डिंग मिशन स्थापित किया जाएगा।

बिहार में रेल और सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन सेक्शन की डबलिंग से स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। इस 104 किमी लंबी परियोजना की अनुमानित लागत 2,192 करोड़ रुपये है और यह राज्य के चार जिलों को जोड़ती है। इसके अलावा, 4-लेन साहिबगंज-अररिया-बेतिया सड़क परियोजना को भी मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कदम रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ाएगा और कृषि क्षेत्र को नई ताकत देगा। इस सड़क परियोजना की कुल लंबाई 78.942 किमी और अनुमानित लागत 3,822.31 करोड़ रुपये है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने अनुसंधान और विकास क्षेत्र में भी सरकार की पहल को सराहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अन्त्योदय नये भारत का आधार: वंचित के उत्थान का संकल्प

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है।

(लेखक - ललित गर्ग)

अन्त्योदय दिवस -25 सितंबर, 2025

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है।

संपादकीय

फ़लस्तीन के हक में

गाजा में फलस्तीनियों के चौरतरफा दमन के बीच यदि ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया ने फलस्तीन राज्य को मान्यता दी है तो इसे बड़े कूटनीतिक बदलाव के रूप में देखना चाहिए। अमेरिका की इच्छा के विपरीत यदि जी-7 के देश फलस्तीन राज्य को समर्थन दे रहे हैं तो इसके गहरे निहितार्थ हैं। जो इस्राइल को असहज करने वाले होंगे, क्योंकि इस्राइल द्विराष्ट्र सिद्धांत को मानने को कभी राजी नहीं हुआ है। अभी कई देश मान्यता देने का मन बना रहे हैं। अमेरिकी संरक्षण में फलस्तीनियों के दमन में लगे इस्राइल पर वैश्विक जनमत का कोई तत्काल असर नजर नहीं आता है, लेकिन देर-सवेर स्थितियां जरूर बदलेंगी। बहरहाल, इस्राइल-हमास के संघर्ष में पिसते फलस्तीनियों की पहचान का मुद्दा फिर जोर पकड़ रहा है। केवल जी-समूह के देश ही नहीं, फ्रांस भी फलस्तीनियों को मान्यता देने का मन बना चुका है। गाजा में मानवता के क्रंदन से दुनिया के सभी बड़े देश विचलित हैं और अपने-अपने देशों में जन-दबाव महसूस कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब संयुक्त राष्ट्र के तीन-चौथाई से ज्यादा सदस्यों ने फलस्तीनी राज्य के दर्जे को वैधता प्रदान कर दी है, तो जमीनी हकीकत में बदलाव क्यों नहीं आ रहा है। बहरहाल, लंबे समय से आत्मनिर्णय की गरिमा से वंचित लाखों लोगों के लिए, यह अधिकारों की पुष्टि और प्रतीकात्मक जीत दोनों ही हैं। लेकिन यह भी हकीकत है कि कागजी मान्यता से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली। पश्चिमी तट पर इस्राइली बस्तियों का विस्तार निर्बाध रूप से जारी है। दूसरी ओर गाजा की नाकाबंदी भी अभी जारी है। राहत सामग्री बांटने के नाम पर जिस तरह भूखे लोगों का दमन किया गया, उसने सभ्य दुनिया के औचित्य पर सवाल ही उठाये हैं। गाजा में समय-समय पर हिंसा भड़कती रहती है, जिससे फिलहाल स्थिरता की कोई सूरत नजर नहीं आती। फलस्तीनी आज भी तरह-तरह के प्रतिबंधों के बीच जिंदगी के दिन गिन रहे हैं। निस्संदेह, इस्राइल द्वारा लगाये गए तमाम प्रतिबंध फलस्तीन की संप्रभुता की अवधारणा का मजाक ही उड़ाते हैं। वास्तव में पश्चिमी देशों द्वारा दी गई मान्यता जब तक व्यावहारिक उपायों मसलन राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी प्रावधानों द्वारा समर्थित नहीं होती, तब तक इन घोषणाओं का सिर्फ प्रतीकात्मक महत्व ही रह जाता है। विडंबना यह भी है कि जी-7 के अन्य प्रमुख देश अमेरिका, जर्मनी, इटली और जापान ने फलस्तीन को मान्यता देने से इनकार किया है। उनकी दलील है कि यह प्रश्न इस्राइल की सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। लेकिन वास्तव में शांति इस आधार पर कायम नहीं की जा सकती है कि एक व्यक्ति के अधिकार दूसरे की सुरक्षा की भावना पर निर्भर हों। द्विराष्ट्र समाधान, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने एकमात्र व्यवहार्य ढांचे के रूप में समर्थन दिया है, समानता की मांग करता है। भारत ने वर्ष 1988 में फलस्तीन को मान्यता दी थी। साथ ही इस्राइल के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए भी उसके राज्य के दर्जे के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया है। लेकिन, मौजूदा संघर्ष के दौरान, भारत ने प्रतिक्रिया देने में स्पष्ट रूप से देरी की है। निश्चिय ही यह भारत की ऐतिहासिक एकजुटता और रणनीतिक साझेदारी के बीच सतर्क संतुलन को ही दर्शाता है। दरअसल, यह हिचकिचाहट नैतिक स्पष्टता और व्यावहारिक राजनीति के साथ संरेखित करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। बहरहाल, मान्यता की लहर को केवल नैतिक दिशासूचक के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में गाजा संकट की विभीषिका के बीच बस्तियों के विस्तार को रोकने, प्रतिबंधों को हटाने, मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने तथा विश्वसनीय वार्ता को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

'डीप स्टेट' अवधारणा नहीं, आधुनिक विश्व राजनीति का यथार्थ।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

आधुनिक वैश्विक राजनीति में 'डीप स्टेट' (Deep State) शब्द बार-बार चर्चा में आता है। यह शब्द उस गुप्त शक्ति-संपन्न नेटवर्क की ओर संकेत करता है, जो औपचारिक रूप से चुनी हुई सरकारों के परे काम करता है और नीति निर्माण तथा सत्ता संचालन को प्रभावित करता है। इसमें सैन्य अधिकारी, कॉरपोरेट जगत, अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक, विदेशी NGOs, मीडिया और गुप्तचर संस्थाएँ शामिल होती हैं। इनका उद्देश्य प्रायः चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकारों को कमजोर कर अपने हितों को साधना होता है।

डीप स्टेट कोई औपचारिक सत्ता संरचना नहीं है, बल्कि यह समानांतर शक्ति केंद्र है। उदाहरणस्वरूप पाकिस्तान में सेना और गुप्तचर एजेंसियों को डीप स्टेट कहा जाता है, जो बार-बार लोकतांत्रिक सरकारों को अपदस्थ करती रही हैं। वहीं, अमेरिका जैसे देशों में डीप स्टेट बहुराष्ट्रीय कंपनियों, मीडिया, लॉबिस्ट और गुप्त संस्थानों के रूप में कार्य करता है, जो अन्य देशों का अध्ययन कर उन देशों की नीतियों में हस्तक्षेप कर अपनी आर्थिक-सामरिक स्थिति को मजबूत करते हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में डीप स्टेट पिछले दो दशकों में रंगीन क्रांतियों (Color Revolutions) का उदाहरण अक्सर डीप स्टेट की भूमिका को स्पष्ट करता है। जॉर्जिया (2003), यूक्रेन (2004), किर्गिस्तान (2005) जैसे देशों में निहत्थे प्रदर्शनों के जरिए सत्ता परिवर्तन हुआ, परंतु पीछे से विदेशी संस्थाओं और रक्षा उद्योगों के हित काम कर रहे थे। इसी तरह बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को हटाने के लिए अमेरिकी डीप स्टेट को दोषी ठहराया गया। उद्देश्य यह रहा कि जिन सरकारों की नीतियाँ पश्चिमी हितों के अनुकूल न हों, उन्हें कमजोर कर दिया जाए।

धार्मिक असहिष्णुता के मुद्दे द्वारा भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करने के लिए अल्पसंख्यकों के विरुद्ध भेदभाव की झूठी कहानियाँ गढ़ी जाती हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठन भारत सरकार पर 'मानवाधिकार उल्लंघन' का आरोप लगाते हैं। जम्मू-कश्मीर मुद्दा - विदेशी मीडिया और NGOs कश्मीर को मानवाधिकार संकट के रूप में प्रस्तुत कर भारत पर दबाव बनाने का प्रयास करते हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय दखल को उचित ठहराया जा सके। किसान आंदोलन (2020-21) - यह आंदोलन प्रारंभ में किसानों का था, परंतु बाद में विदेशी ताकतों, सोशल मीडिया ट्रेंड और NGOs द्वारा उसे भारत की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किया गया। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर भारत की कोयला आधारित ऊर्जा परियोजनाओं का विरोध किया जाता है, जबकि यही विरोध विकसित देशों की कार्बन-गहन अर्थव्यवस्थाओं पर लागू नहीं होता। उद्देश्य भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को रोकना और विदेशी ऊर्जा बाज़ार को अवसर देना होता है।सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे- ट्विटर, फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म पर विदेशी 'इकोसिस्टम'' भारत में आंदोलनों को हवा देकर सरकार विरोधी माहौल बनाने की कोशिश करता है।

किसी भी देश के लिए डीप स्टेट से मुकाबला करना आसान नहीं है, परंतु कुछ ठोस निर्णयों जैसे- रक्षा, ऊर्जा और तकनीकी क्षेत्रों में राष्ट्र की आत्मनिर्भरता जितनी मजबूत होगी, बाहरी ताकतों का हस्तक्षेप उतना ही कम होगा। भारतीय मीडिया, थिंक टैंक और डिजिटल प्लेटफॉर्म को

सशक्त कर विदेशी दुष्प्रचार का जवाब देना आवश्यक है।विदेशी फंडिंग वाले संगठनों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखकर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे भारत विरोधी एजेंडा न चला सकें। यदि अपनी लोकतांत्रिक संस्थाएँ पारदर्शी और मजबूत रहेंगी तो डीप स्टेट के लिए हस्तक्षेप करना कठिन होगा।

डीप स्टेट केवल एक राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि आधुनिक विश्व व्यवस्था का कठोर यथार्थ है। यह लोकतांत्रिक संरचनाओं को भीतर से कमजोर करता है और राष्ट्रों की संप्रभुता को चुनौती देता है। भारत को इस चुनौती का सामना आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय एकता और मजबूत कूटनीतिक रणनीति से करना होगा। राष्ट्रीय दृष्टि से स्पष्ट है—हमारा लोकतंत्र, हमारी संप्रभुता और हमारी नीतियाँ केवल भारतीय जनता की आकांक्षाओं से संचालित होंगी, न कि किसी गुप्त अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से।

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अत-वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

भारतीय प्रोफेशनल के लिए चीन ने खोले द्वार

(लेखक-सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बिछाए हुए जाल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। नामालूम भारत और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ, वह कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं। जिसमें वह खुद और अमेरिका को फंसाते जा रहे हैं। अमेरिका के एच-1बी वीजा को लेकर उन्होंने भारत और अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के ऊपर जो दबाव बनाने का प्रयास किया था। वह दबाव तो बन नहीं पाया, उल्टे चीन को उन्होंने एक ऐसा मौका दे दिया है। वह भी ऐसे समय पर, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कार्य प्रणाली के कारण अमेरिका और दुनिया के कई देशों में सबसे ज्यादा अलोकप्रिय हो चुके हैं। चीन आईटी सेक्टर में हार्डवेयर, संचार माध्यम तथा एआई में अमेरिका को तगड़ी चुनौती दे रहा था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चीन ने दबदबा बनाना शुरू कर दिया है। कई मायने में चीन, अमेरिका से कई गुना आगे दौड़ रहा है। पिछले एक दशक में चीन ने रिसर्च के मामले में दुनिया के सभी देशों को पीछे छोड़ दिया है। चीन के साथ अब भाषा से संबंधित दिक्कत भी नहीं रही। ऐसी स्थिति में चीन ने के वीजा के रूप में जो गुगली फेंकी है उसमें उसने कहा है, जो भी प्रोफेशनल, आईटी सेक्टर से जुड़े हुए विशेषज्ञ, मेडिकल प्रोफेशनल के जुड़े हुए विशेषज्ञ यदि चीन आते हैं तो उन्हें के वीजा उनकी शर्तों और सम्मान के साथ दिया जाएगा। चीन इसके लिए फ्री एंट्री देगा। कोई शुल्क नहीं लेगा। चीन का यह ऑफर अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में साबित कर दिया है, उसे व्यापार करना आता है। वह राजनीति और कूटनीति भी अपने व्यापार के लिए करता है। पिछले दो दशक में चीन ने सारी दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

चीन में विशेषज्ञों की कमी है। अमेरिका ने एच-1बी वीजा देना एक तरह से बंद कर दिया था। पुराने एच-1बी वीजा धारकों के ऊपर वेतन से ज्यादा शुल्क का प्रावधान कर भारतीय पेशेवरों को डरा दिया है। भारतीयों को अमेरिका ने बेड़ियों और हथकड़ी में भारत वापिस भेजा था। टेरिफ शुल्क 50 फीसदी कर दिया। अब वीजा शुल्क 1 हजार डॉलर से बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर दिया। इससे भारतीय प्रवासी अमेरिका में स्वयं के और परिवार के भविष्य को लेकर भयाक्रांत हैं। अमेरिका ने पिछले कई महीनो में लगभग सभी देशों के साथ टैरिफ को लेकर जो दूरियां बनाई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अमेरिका की अस्मिता को ही दांव पर लगा रहे हैं। ऐसी स्थिति में चीन ने के वीजा का जो ऑफर दिया है। उससे दुनिया के सभी देशों के विशेष रूप से भारतीय मूल के आईटी, फार्मा सेक्टर के लोग चीन में अपना भविष्य देखने लगे हैं। चीन जिस तरह से तकनीकी और रिसर्च के मामले में आगे बढ़ रहा है। चीन जिस तरह से विशेषज्ञों को रिसर्च के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उसको देखते हुए आईटी, संचार माध्यम और फार्मा के क्षेत्र मे प्रोफेशनल चीन का रूख करें, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में भी चीन बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। चीन चाहता है भारत के लोग चीन में आकर पढ़ाई करें। यहां पर कंपनियां लगाएं। चीन की कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। अमेरिका ने 1990 में एच-1 वीजा के माध्यम से कंपनियों को अधिकार दिए थे। वह विशेषज्ञों को अमेरिका में नौकरी दें। अमेरिका आईटी सेक्टर के भारतीय विशेषज्ञों के कारण बड़ी तेजी के साथ आर्थिक रुप से बढ़ा। इस तथ्य को अमेरिका भूल गया है। चीन ने इसे पहचान लिया है। एच-1बी वीजा पर शुल्क बढ़ाकर अमेरिका ने चीन को एक अवसर दिया है। जिसे अमेरिका की सबसे बड़ी भूल माना जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी विश्वसनीयता खोते जा रहे हैं। अमेरिका के राज्यों, वहां के विश्वविद्यालयों में डोनाल्ड ट्रंप को एक मसखरे के रूप में देखा जा रहा है। जो कभी कुछ कहता है, कभी कुछ करने लगता है। अदालतों में भी अमेरिका के राष्ट्रपति की कोई अच्छी छवि नहीं देखी जा रही है। ट्रंप मनमाने निर्णय ले रहे हैं। वर्तमान मे चीन की छवि अमेरिका की तुलना में कई गुना ज्यादा बेहतर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़े परिवर्तन चीन के इस ऑफर के कारण देखने को मिल सकते हैं। भारत में कहा जाता है, जब आदमी के बुरे दिन आते हैं तब सबसे पहले उसकी मति नष्ट हो जाती है। लगता है, ऐसा ही कुछ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हो रहा है। अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति होने के बाद भी उनमें कहीं से गंभीरता, कूटनीति, राजनीति, एवं शब्दों की मर्यादा देखने को नहीं मिल रही है। बुढ़ापे में ट्रम्प की छवि अपने परिवार के कारोबार तक सीमित है। जिसका फायदा अब चीन उठाने जा रहा है। चीन और भारत की सीमाएं आपस में लगी हैं। ऐसी स्थिति में दोनों देशों के लिए इसे अच्छे अवसर के रुप में देखा जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारुति सुजुकी अर्टिगा ने किया पहले स्थान पर कब्जा

नई दिल्ली अगस्त 2025 का एमपीवी सेगमेंट का सेल्स डेटा भारतीय कार बाजार में जारी हो गया है। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए पहले स्थान पर कब्जा किया। अगस्त में मारुति अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं, जो जुलाई के मुकाबले 11 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं मारुति ईको 10,785 यूनिट्स की सेल्स के साथ दूसरे नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 13प्रतिशत की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर टोयोटा इनोवा रही, जिसकी 9,304 यूनिट्स बिकीं। इनोवा की सेल्स में मामूली 2प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। इसके अलावा, किआ कैरेंस की 6,822 यूनिट्स और मारुति एक्सएल 6 की 2,973 यूनिट्स बिकीं। खास बात यह रही कि एक्सएल 6 की सेल्स में 39 प्रतिशत की जोरदार बढ़त देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार में अब भी मारुति की पकड़ सबसे मजबूत है। अर्टिगा और ईको जैसे मॉडल्स किफायती दाम और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। दूसरी तरफ, इनोवा और कैरेंस जैसे प्रीमियम मॉडल्स को उन ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है जो ज्यादा फीचर्स और स्पेस चाहते हैं।

स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान

नई दिल्ली सैमसंग कंपनी ने अपने प्रीमियम स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान किया है। वहीं स्पेसिफिकेशन की बात करें तो गैलेक्सी एस24 में 6.2 इंच का अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देता है। फोन को अब ग्राहक महज रुपए 39,999 (128जीबी) और रुपए 44,999 (256जीबी) की कीमत पर खरीद सकते हैं। जबकि इसकी असली कीमत रुपए 74,999 थी। यानी ग्राहकों को करीब 35 हजार रुपये तक का सीधा फायदा मिल रहा है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी सेंसर, अल्ट्रा-वाइड और टेलीफोटो लेंस के साथ ट्रिपल रियर कैमरा शामिल है। फोन में 4000 एमएएच की बैटरी है, जो पूरे दिन का बैकअप देने में सक्षम है। पावर के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 3 एडिशन प्रोसेसर मौजूद है, जो स्मूद मल्टीटास्किंग और हाई-एंड गेमिंग के लिए ऑप्टिमाइज्ड है। एंड्रॉयड 14 बेस्ड वनयूआई पर चलने वाला यह फोन 5जी कनेक्टिविटी और सैमसंग के लेटेस्ट एआई फीचर्स के साथ आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस डिस्काउंट के बाद गैलेक्सी एस 24 प्रीमियम सेगमेंट में सबसे ज्यादा वैल्यू-फॉर-मनी स्मार्टफोन साबित होगा।

जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया

मुंबई जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया है, जो ग्राहकों को उनके बचत खाते में पड़े अतिरिक्त पैसों से कमाई करने का एक स्मार्ट तरीका देता है। इस सुविधा के जरिए आप अपने सेविंग्स अकाउंट में एक तय सीमा से ज़्यादा की रकम को अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं।इस नए फीचर के तहत ग्राहक अपने खाते में एक न्यूनतम बैलेंस लिमिट तय करेगा, जो 5,000 से शुरू होती है। इस सीमा से अधिक जमा राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। दैनिक निवेश की अधिकतम सीमा 1.50 लाख तक निर्धारित की गई है, जिससे बड़ी रकम का भी निवेश सहजता से किया जा सके। जरूरत पड़ने पर ग्राहक अपने निवेश का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत निकाल सकते हैं, लेकिन निकासी की सीमा 50,000 तक सीमित है। यदि इससे अधिक राशि निकालनी हो, तब म्यूचुअल फंड की सामान्य सेटलमेंट प्रक्रिया लागू होगी। सभी ग्राहकों को इस सुविधा में न कोई एंट्री चार्ज है और न ही एग्जिट चार्ज, और न ही कोई लॉक-इन पीरियड। इसका मतलब है कि आप कभी भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपना पैसा निकाल सकते हैं। पिछले दो सालों के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह के निवेश ने औसतन 6.5 प्रतिशत का सालाना रिटर्न दिया है। हालांकि, यह बाज़ार के जोखिम पर निर्भर करता है, इसलिए रिटर्न में बदलाव हो सकता है। ग्राहकों के लिए ये सुविधा जिओ फाइनेंस एप पर उपलब्ध है। इसके बारे में जिओ पेमेंट बैंक के एमडी और सीईओ, विनोद ईश्वरन ने ग्राहकों के लिए एक डिजिटल और आसान तरीका बताया है जिससे वे अपने बचत खाते के पैसों से अतिरिक्त कमाई कर सकें। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना ज़्यादा झंझट के अपने पैसे को बढ़ाना चाहते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर घिरे अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच एक बार फिर व्यापार वार्ता पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह बनी है अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की चेतावनी। इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर अनिश्चितता मंडराने लगी है। लटनिक ने 14 सितंबर को कहा था कि भारत अगर अमेरिका में उगाए गए मक्के की खरीद नहीं करता है, तो उसे अमेरिकी बाजार से अपनी पहुंच खोनी पड़ सकती है। मगर भारत के कुल कृषि एवं संबद्ध उत्पादों के आयात में मक्के की हिस्सेदारी काफी कम है और यह 1 फीसदी से भी कम है। यानी भारत सीमित मात्रा में अमेरिका से मक्के का आयात करता है।बता दें कि वित्त वर्ष 2018 में अमेरिका से भारत का मक्का आयात केवल 30 लाख डॉलर का था, जो अमेरिका से कुल कृषि आयात का 0.3 फीसदी था। वित्त वर्ष 25 तक आयात घटकर 22 लाख डॉलर रह गया और हिस्सेदारी 0.1 फीसदी रह गई। भारत में कुल आवक में अमेरिका से मक्का आयात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 19 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 0.8 फीसदी रह गई। वास्तव में, वित्त वर्ष 2018 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिका से भारत का सालाना मक्के का आयात औसतन करीब 20 लाख डॉलर का था। अमेरिका से भारत का कम मक्का आयात करने के दो कारण हैं।

पहला, इस पर आयात शुल्क काफी अधिक है और आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएमओ) मक्के पर भारत में प्रतिबंध है मगर यह अमेरिका में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। साल 2017-18 से आठ वर्षों के दौरान सभी देशों से भारत का कुल मक्का आयात उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन वित्त वर्ष 25 में यह एक साल पहले के मुकाबले 571 फीसदी बढ़कर 25.98 करोड़ डॉलर हो गया।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमीं

नई दिल्ली घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। इस सप्ताह लगातार दो दिन शीर्ष पर पहुंचने के बाद तीसरे दिन सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। आज सुबह घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,13,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,34,600 रुपये के करीब रहे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 336 रुपये नीचे आकर 1,13,500 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,13,836 रुपये था। यह अनुबंध 366 रुपये की नीचे आकर 1,13,470 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 13,500 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,13,253 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर तक गया। वहीं सोने के वायदा भाव इस सप्ताह 1,14,179 रुपये के भाव के साथ ही सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 436 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,626 रुपये पर खुला। वहीं पिछला बंद भाव 1,35,062 रुपये था। यह कॉन्ट्रैक्ट 462 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,600 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,34,661 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,34,251 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस सप्ताह 1,35,700 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,796.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव3,815.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 44.26 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 44.60 डॉलर था। ।

लोकप्रिय स्मार्टफोन ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली चाइनील कंपनी ओप्पो ने ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च किया है। स्मार्टफोन के रियर पैनल पर रंगोली और गोल्डन मोर की झलक देखने को मिलती है, जो इसे बाकी फोन्स से अलग बनाती है। स्पेसिफिकेशन की बात करें तो इस फोन में डायमेसिटी 8350 प्रोसेसर, 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज दी गई है। बैटरी की क्षमता 6000 एमएएच है, जिसे 80 वॉट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलता है। इसका मतलब है कि फोन कुछ ही मिनटों में फुल चार्ज हो जाएगा। इसके अलावा यह स्मार्टफोन आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ आता है, यानी यह धूल और पानी से पूरी तरह सुरक्षित है। कंपनी का दावा है कि रेनो 14 दीवाली एडिशन सिर्फ डिजाइन ही नहीं बल्कि परफॉर्मेंस और ड्यूरेबिलिटी के मामले में भी खास है। तभारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए यह लिमिटेड एडिशन लाया गया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 386 अंक, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 386.47 अंक नीचे आकर 81,715.63 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.60 अंक टूटकर 25,056.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन शेयरों में गिरावट से बाजार पर दबाव आया। निफ्टी ऑटो 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी आईटी 0.72 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 2.49 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.47 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.18 फीसदी उछलकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एचयूएल, एनटीपीसी, एचीसीएल टेक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये । इसके अलावा टाटा मोटर्स, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। जीएसटी सुधारों के बाद बाजारों में मुनाफावसूली से गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं एच-1बी शुल्क वृद्धि के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई है। वहीं व्यापार वार्ताओं और कमजोर वैश्विक संकेतों से निवेशक बाजार से दूसरी बनाये हुए हैं।

इसे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे आकर 81,917.65 पर खुला जबकि सुबह यह 257.47 अंक या 0.31 फीसदी की गिरावट लेकर 81,844.63 पर था। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट के साथ ही 25,108.75 पर खुला।

वहीं आज सुबह एशियाई बाजारों की शुरुआत कमजोर रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.4 फीसदी नीचे रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.35 फीसदी गिरा। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा है। वॉल स्ट्रीट की बड़ी टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार का एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.95 फीसदी व डॉव जोन्स लगभग 0.2 फीसदी उछला।

आरबीआई का बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम कहा-बिना दावे की राशि का तेजी से हो निपटान

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने सभी बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना दावे की राशि का तेजी से निपटान करें। अक्टूबर से दिसंबर के अंदर बिना दावे वाली धनराशि- जमा, लाभांश, ब्याज वारंट, पेंशन आदि का निपटान तेज करने के लिए कहा है। आरबीआई ने निर्देशित करते हुए कहा है कि बैंकों को बिना दावे वाली जमा राशियों की जिलावार सूची तैयार करें और संबंधित शाखाओं के साथ साझा करें ताकि सही दावेदारों से संपर्क किया जा सके।

एसएलबीसी को राज्य और जिला आधार पर बिना दावे वाली जमा राशि के आंकड़े की समीक्षा करने के लिए कहा गया है ताकि सदस्य बैंकों को उचित रणनीति प्रदान की जा सके। समिति को राज्य सरकार के विभागों और एजेंसियों के साथ प्रभावी तरीके से संपर्क करने और राज्य सरकार से संबंधित शिविरों के लिए स्थान, दावेदारों के चयन में सक्रिय सहायता करने, मृत्यु पंजीकरण आदि का सत्यापन करने के लिए कहा गया है। बैंकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल को सफल बनाने और बैंकिंग तंत्र से बिना दावे वाली धनराशि को कम करने में व्यक्तिगत स्तर ध्यान दें। बैंकिंग नियामक ने बैंकों को भेजे पत्र में कहा है वित्तीय स्थायित्व और विकास परिषद (एफएसडीसी) की हालिया बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बिना दावे वाली धनराशि के निपटान के लिए जिला स्तर पर सप्ताह भर संयुक्त शिविर लगाए जाएं।

इस तरह का पहला शिविर अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान गुजरात में लगाया जाएगा और दिसंबर तक देश भर में इस तरह के और शिविर आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय बैंकरों की समिति (एसएलबीसी) को संबंधित राज्यों में इस पहल का नेतृत्व करने का जिम्मा सौंपा गया है। एसएलबीसी को विशेष अभियान अवधि यानी अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अधिकतम दावा निपटान का प्रयास करने के लिए कहा गया है।

इन खाता धारकों को मिलेगा लाभ

ऐसे बचत या चालू खाते जिनका संचालन 10 वर्षों से नहीं किया गया हो उनमें जमा राशि या ऐसी सावधि जमा जो परिपक्वता की तारीख से 10 वर्षों के भीतर दावा नहीं की जाती हैं, उन्हें बिना दावे वाली जमा राशि' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

आरबीआई के नियम के मुताबिक बैंकों को ऐसे पैसे को जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (डीईए) निधि में स्थानांतरित करना होता है। हालांकि जमाकर्ता बाद की तारीख में भी संबंधित बैंकों से जमा राशि का दावा कर सकते हैं।

एप्पल ने लांच की नई आईफोन 17 सीरीज

नई दिल्ली हाल ही में एपल ने अपनी नई आईफोन 17 सीरीज लॉन्च की है। संभावना जताई जा रही है कि अब एप्पल जल्द ही मुड़ने वाला यानी फोल्डेबल आईफोन भी लॉन्च कर सकता है। एप्पल अगले साल आईफोन 18 सीरीज के साथ इस डिवाइस को पेश कर सकता है। हालिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने बताया है कि एप्पल का फोल्डेबल आईफोन ऐसा लग सकता है जैसे दो टाइटेनियम आईफोन एयरर्स को एक साथ जोड़ दिया हो। इससे एप्पल को एक पतला, स्लीक फोल्डेबल डिजाइन मिल सकता है। यह डिवाइस न सिर्फ ड्यूरेबिलिटी में बेहतर होगा बल्कि प्रीमियम फील भी देगा। सैमसंग समेत कुछ स्मार्टफोन ब्रांड अब इस सेगमेंट में काफी बेहतर हो गए हैं ऐसे में एपल फैंस को थोड़ा डर है कि ये डिवाइस डेली लाइफ में कैसा परफॉर्म करेगा। एप्पल के फोल्डेबल डिवाइस में आईफोन एयर जैसा टाइटेनियम फ्रेम और स्टेनलेस स्टील के कॉम्बिनेशन से डिवाइस का हिंज बनाया जा सकता है। इससे फोन को बेहतर मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहा जा रहा है कि फोल्डेबल आईफोन की कीमत 2,000 डॉलर या उससे ज्यादा भी हो सकती है, जिससे यह एप्पल का अब तक का सबसे महंगा डिवाइस भी बन जाएगा। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फोल्डेबल आईफोन में 5.5 इंच का एक्सटर्नल डिस्प्ले देखने को मिल सकता है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में मिलेगा एनपीएस जैसा टैक्स लाभ, सरकार ने जारी किए फेक्स

नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति संबंधी लाभों को लेकर केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए बड़ी स्पष्टता दी है। वित्त सेवा विभाग (डीएफएस) ने मंगलवार को यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर टैक्स नियमों को स्पष्ट करने के लिए विस्तृत फेक्स जारी किए। इसमें बताया गया है कि यूपीएस पर वही टैक्स छूट और लाभ उपलब्ध होंगे, जो वर्तमान में नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में मिलते हैं।

नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कर्मचारी की बेसिक पे और डीए का 10 प्रतिशत तक योगदान आयकर की धारा 80सीसीडी(1) के तहत टैक्स डिडक्शन के योग्य होगा। वहीं, नियोक्ता यानी सरकार द्वारा किया गया 10प्रतिशत योगदान धारा 80सीसीडी(2) के तहत कर लाभ देगा। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 8.5 प्रतिशत तक का योगदान पूल कोरस में किया जाएगा, जिसे न तो आय माना जाएगा और न ही उस पर टैक्स लगेगा। कर्मचारियों को आंशिक निकासी की भी सुविधा दी गई है।वे अपने योगदान का 25 प्रतिशत तक का हिस्सा धारा 10(128) के तहत टैक्स मुक्त निकाल सकते हैं। सेवा निवृत्ति या नौकरी समाप्ति के समय व्यक्तिगत कोरस से पूल कोरस में ट्रांसफर भी टैक्स से मुक्त रहेगा। रिटायरमेंट पर कर्मचारी अपने कोरस का 60 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं, जिस पर टैक्स नहीं लगेगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत अनिवार्य रूप से पूल कोरस में जाएगा और वह भी करमुक्त रहेगा। डीएफएस ने स्पष्ट किया है कि रिटायरमेंट पर मिलने वाला एकमुश्त भुगतान (लंपसम)–जो हर छह माह की सेवा पर मासिक वेतन का 10 प्रतिशत होता है, पूरी तरह टैक्स मुक्त रहेगा।

वहीं, यदि व्यक्तिगत कोरस बेंचमार्क कोरस से अधिक है तो उस अतिरिक्त राशि का 60 प्रतिशत टैक्स मुक्त होगा और शेष 40त वेतन आय मानकर टैक्स लगाया जाएगा। पेंशन टैक्सेशन को लेकर भी स्पष्टता दी गई है। रिटायरमेंट के बाद यूपीएस से मिलने वाली मासिक राशि को पेंशन माना जाएगा और यह सैलरी के तहत टैक्स योग्य होगी। वहीं, कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को मिलने वाली पेंशन अन्य आय में जोड़ी जाएगी। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से यूपीएस को पूरी तरह टैक्स-फ्रेंडली बनाया गया है।

मारुति और ह्युंडई की छोटी कारों का निर्यात बढ़ा, घरेलू बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां घरेलू बाजार में सुस्त मांग से जूझ रही हैं, लेकिन विदेशी बाजारों में उनके छोटे कार मॉडल धूम मचा रहे हैं। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (एसआईएएम) के ताजा आंकड़ों से मालूम चलता है, कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच यात्री कारों का निर्यात 8.5प्रतिशत बढ़ा है, जबकि घरेलू बिक्री में उतनी ही यानी 8.5प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार मारुति सुजूकी ने इस अवधि में 37 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगाई, जबकि ह्युंडई मोटर इंडिया का निर्यात 12.45प्रतिशत बढ़ा। मारुति के स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर जैसे मॉडल विदेशी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रहे और उसके यात्री कार निर्यात में 43प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। दूसरी ओर, ह्युंडई ने भी आई10 निओस जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल के दम पर यात्री कार निर्यात में करीब 16प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

निर्यात में मजबूती के विपरीत, घरेलू बाजार में दोनों कंपनियों की स्थिति कमजोर रही। अप्रैल-अगस्त के दौरान ह्युंडई की यात्री कारों की बिक्री में लगभग 16प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मारुति की बिक्री में भी 6.4प्रतिशत की कमी देखी गई। यह घरेलू बाजार में कमजोर मांग और उपभोक्ताओं की सीमित खर्च करने की क्षमता का संकेत है।

वैश्विक बाजारों में कॉम्पैक्ट कारों की पसंद

मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा, दिलचस्प है कि हमारे शीर्ष 5 निर्यात मॉडलों में सभी चार मीटर से कम लंबाई वाले हैं। यह दिखाता है कि वैश्विक ग्राहक कॉम्पैक्ट कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं क्योंकि वे किफायती हैं, पर्यावरण पर कम असर डालते हैं और भीड़भाड़ कम करने में मदद करते हैं। वित्त वर्ष 2026 में मारुति के प्रमुख निर्यात मॉडल फ्रोंक्स, जिम्नी, स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर बताए गए हैं।

लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में बढ़ती मांगह्युंडई मोटर इंडिया के सीओओ तरुण गर्ग के अनुसार, आई10 निओस दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको और चिली जैसे बाजारों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहां के ग्राहक ह्युंडई की गुणवत्ता, उन्नत फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन को सराह रहे हैं। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे विकासशील बाजारों में आय क्षमता बढ़ने और कीमत-संवेदनशील उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के चलते भारतीय ऑटो कंपनियां निर्यात पर अधिक फोकस कर रही हैं।

टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 10 टुकड़ों में बांट रहे

मुंबई

भारत के सबसे बड़े टाटा समूह की कंपनी टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी दिख रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को बीएसई में करीब 5 प्रतिशत के उछाल के साथ 8544 रुपये पर पहुंच गया हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) करने वाली है। कंपनी 1:10 के अनुपात में शेयर बांटने जा रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिक्विडिटी सुधारने और आम निवेशकों की भागेदारी बढ़ाने के लिए शेयर का बंटवारा कर रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन पहली बार अपने शेयर का बंटवारा करेगी। टाटा ग्रुप की कंपनी अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांट रही है। कंपनी ने 22 सितंबर को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि शेयरहोल्डर्स ने शेयर बंटवारे को अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटेगी। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 4 अगस्त 2025 को स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन में लंबे अंतराल के बाद बड़ा कॉरपोरेट एक्शन देखने को मिल रहा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने दो दशक पहले बोनस शेयर जारी किए थे। कंपनी ने अगस्त 2005 में अपने निवेशकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 23 अगस्त 2005 थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर पिछले पांच साल में 900 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयर 25 सितंबर 2020 को 830.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 सितंबर 2025 को 8544 रुपये पर पहुंच गए हैं। चार साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 550 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। पिछले तीन साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 250 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है।

केंद्र ने दिया 70,000 करोड़ का पैकेज

भारत की बढ़ेगी स्वदेशी शिप बनाने की क्षमता

नई दिल्ली

भारत में स्वदेशी को काफी महत्व दिया जा रहा है। यही वजह है कि भारतीय सेना के आधुनिक हथियार भी बनाने लगा है। इसी कड़ी में देश की समुद्री गतिविधियों और स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 70,000 करोड़ रुपये की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही 3 योजनाओं के एक पैकेज पर विचार कर सकता है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि इस आशय की घोषणा फरवरी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में की थी।बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर रहा है, जिसमें कई बदलाव और नए प्रावधान शामिल हैं। इस सिलसिले में खबर छपने के लिए जाने तक जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय को भेजे गए सवालों के जवाब नहीं मिले। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने 4 सितंबर को बताया था कि सरकार ने बॉयर डिफॉल्ट से शिपबिल्डरों को बचाने के लिए शिपबिल्डिंग पहल में 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी जोड़ा है। इन प्रस्तावों में 25,000 करोड़ रुपये का मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ), ग्रीनफील्ड शिपयार्ड के विकास, ब्राउनफील्ड शिपयार्ड और शिपबिल्डिंग पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के लिए 25,000 करोड़ रुपये का शिपबिल्डिंग क्लस्टर प्रोग्राम और शिपबिल्डिंग में राज्यों को सहयोग देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये की शिपबिल्डिंग फाइनैंशियल असिस्टेंस पॉलिसी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 रैंकिंग में भारत का दबदबा, पांड्या-चक्रवर्ती और अभिषेक टॉप पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों की प्रगति

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान ने छह स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में वापसी की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप के अपने पिछले दो मैच में आठ के औसत से छह विकेट चटकाए हैं।

पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पंड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं।

अभिषेक की धमाकेदार बल्लेबाजी

बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान के खिलाफ 19 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने वाले तिलक वर्मा को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है।

सूर्यकुमार, फरहान और तलत का उभार

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ 45 गेंद में 58 रन की पारी खेलने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के फायदे से 24वें पायदान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ धैर्यपूर्ण पारी खेलकर पाकिस्तान को जीत दिलाने वाले हुसैन तलत 1474 अंक की लंबी छलांग लगाकर पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 234वें स्थान पर हैं।

सैफ हसन की शानदार पारी

बांग्लादेश के सैफ हसन भी सुपर चार चरण के मैच में 61 रन की पारी खेलने के बाद 133 रन के फायदे से 81वें पायदान पर हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा के सिर में लगी चोट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान सिर में चोट लग गई, जिसके बाद बाकी बचे मैचों के लिए यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। यह घटना मैच के दूसरे दिन हुई जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत ए की पारी के 39वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन की गेंद कृष्णा के हेलमेट पर लगी, जब वे बाउंसर को पुल करने की कोशिश कर रहे थे।

चोट लगने के बाद कृष्णा का अनिवार्य कन्कशन असेसमेंट हुआ और उन्होंने शुरुआत में अपनी पारी जारी रखी। हालांकि, 42वें ओवर के बाद वे ड्रेसिंग रूम वापस चले गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए। भारत ए की पारी आगे बढ़ने पर सिराज के आउट होने के बाद गुरनूर बरार 11वें नंबर पर आए। जब साई सुदर्शन आउट हुए तो यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों के तहत अंतिम एकादश में कृष्णा की जगह आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। भारत ए पहली पारी में 194 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के विशाल स्कोर से पीछे रह गई। दूसरे दिन स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 16 रन बनाए थे और मैच में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। कृष्णा की चोट की गंभीरता की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारत के चयनकर्ता 2 अक्टूबर से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम को अंतिम रूप देने के लिए आज बैठक करने वाले हैं। कृष्णा जसप्रीत बुमराह, सिराज और आकाश दीप के साथ तेज गेंदबाजी विभाग के दावेदारों में शामिल हैं। इन गेंदबाजों ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौर के दौरान भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का आधार बनाया था, जहां कृष्णा ने तीन मैचों में 37.07 की औसत से 14 विकेट लिए थे। वर्तमान भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए श्रृंखला अगस्त के पहले सप्ताह में इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद से कृष्णा का पहला प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन है। पहले मैच में उन्होंने 21 ओवर में 90 रन देकर एक भी विकेट नहीं लिया था और दूसरे मैच की पहली पारी में उन्होंने 17 ओवर में 76 रन देकर 1 विकेट लिया था।

अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी टी20 रैंकिंग में 23 अंकों का लाभ हुआ है। एशिया कप 2025 में ओमान के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 74 रनों की पारी खेलने के बाद उनकी रेटिंग 907 पहुंच गई है। इसी के साथ ही अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। सबसे अधिक रेटिंग अंक इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम 919 हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं उनके 912 जबकि विराट कोहली के 909 रेटिंग अंक हैं। इसके बाद 907 रेटिंग अंक के साथ ही अभिषेक चौथे स्थान पर हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती जबकि ऑलराउंडरों में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर बरकार हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा के अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। तिलक तीसरे जबकि सूर्यकुमार छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाक के ही हुसैन तलत को श्रीलंका के खिलाफ अच्छी पारी खेलने के कारण लाभ मिला है। वह 1474 पायदान की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त 234वें स्थान पर पहुंच गए हैं।पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने गेंदबाजों की रैंकिंग में 12 पायदानों की लंबी छलांग लगाकर सीधा चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 747 की रेटिंग के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं। इनके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा एक पायदान ऊपर 6ठे जबकि बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान 6 पायदान की छलांग लगाकर 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड, शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क(एजेंसी)। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं।

मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए। उन्होंने 54 गेंदों में एक छक्के के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में सूर्यवंशी यश देशमुख की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों में 70 रन की पारी में 6 छक्कों के अलावा पांच चौके भी लगाए। उनके आउट होने के समय भारत अंडर-19 का स्कोर 117/2 था।

सैमसन की जगह राहुल होता तो मैच पांच ओवर पहले ही खत्म हो जाता : अख्तर

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है भारतीय टीम में अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन नहीं होते तो पाक टीम सुपर फोर मुकाबले में और भी जल्दी हार जाती ।अख्तर ने एक शो में कहा , अगर इस टीम में केएल राहुल होते तो हमारी और खराब हार होती । उन्होंने कहा कि सैमसन की जगह केएल राहुल को होना था ।अगर वह होता तो एक से बढ़कर एक शॉट लगाता । अगर राहुल होता तो ये मैच पांच ओवर पहले ही समाप्त हो जाता । एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था । पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए थे । वहीं भारतीय टीम ने एक ओवर पहले ही चार विकेट के नुकसान पर ये लक्ष्य हासिल कर लिया था । भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 39 गेंद में 74 और शुभमन गिल ने 28 गेंद में 47 रन बनाये जबकि तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में 30 रन बनाये । वहीं संजू सैमसन 17 गेंदों में केवल 13 रन ही बना पाये थे । वहीं इससे पहले ग्रुप स्तर के मुकाबले में भी भारतीय टीम ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 7 विकेट से हराया था ।

कार्तिक हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, अश्विन भी खेलेंगे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को नवंबर में होने वाले हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है । इस टूर्नामेंट में पूर्व स्पिनर आर अश्विन भी खेलते हुए दिखेंगे । यह टूर्नामेंट सात नवंबर से शुरु होगा । कार्तिक ने कहा , ''हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी । इसमें मुझे कई अच्छे खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा, इसलिए में इसमें खेलने को लेकर उत्साहित हूं । इसमें हमारा लक्ष्य निडर होकर खेलना रहेगा ।'' वहीं हाल में आईपीएल को अलविदा कहने वाले अश्विन भी इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं । संन्यास के बाद ही उन्होंने विदेशी लीग में संभावनाएं तलाशने की बात कह दी थी । ऐसें में हांगकांग सिक्सेज में खेलने को लेकर अश्विन भी काफी उत्साहत हैं । उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि यह बेहद रोमांचक साबित होगा, जिसमें वह अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने को लेकर उत्सुक हैं । अश्विन और कार्तिक के खेलने को लेकर क्रिकेट हांगकांग चाइना के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ भी उत्साहित हैं । श्रॉफ ने कहा , '' कार्तिक को हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाकर हमें खुशी हो रही है । उनकी कप्तानी और अपार अनुभव टीम के काफी काम आयेगा और हमें भरोसा है कि उनकी मौजूदगी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी ।''

हार से निराश श्रीलंकाई कप्तान बोले, लगातार दो विकेट गिरने से मैच हमारे हाथ से फिसला

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप के दूसरे सुपर फोर मैच में पाकिस्तान से मिली हार के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान चरिथ असलांका ने निराशा जतायी है। इस हार से श्रीलंकाई टीम फाइनल की रेस से तकरीबन बाहर हो गयी है। इस मैच में उसे पाक के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पहले सुपर फोर में उसे बांग्लादेश ने हराया था। असलांका ने माना है कि बल्लेबाजी के दौरान आठवें ओवर में दो बल्लेबाजों के आउट होने से मुकाबला उनकी टीम के हाथ से निकल गया था। असलांका स्वयं उस ओवर में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वहीं उनके बाद अगली गेंद पर ही दासुन शनाका भी पेवेलियन लौट गये। इससे श्रीलंकाई टीम श्रीलंका 133 रन ही बना पायी।

असलांका ने कहा, हमारे सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाये। पावरप्ले के अंत तक हमारे पास केवल 53 रन थे। हमने तीन विकेट गंवा दिए थे पर हम तब भी अच्छी स्थिति में थे, क्योंकि पावरप्ले में इतने रन बनाना आसान नहीं होता पर मैं और दासुन लगातार गेंदों पर आउट हो गए और यही वह समय था जब सबसे अधिक नुकसान हुआ।

उन्होंने आगे कहा, जब हम आउट हुए, तब न तो दासुन और न ही मैं बड़े शॉट लगाने के प्रयास कर रहे थे। । हालांकि टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए हम इस प्रकार का बहाना नहीं बना सकते। हमें जिम्मेदारी लेनी ही होगी। इस मैच में कामिंदु मेंडिस ने 44 गेंदों पर 50 रन बनाकर टीम को कुछ सम्मानजनक बनाया।

उन्होंने आगे कहा, हमने अपनी पारी के पहले भाग में पांच विकेट गंवा दिए थे, और ऐसे में वापसी करना काफी कठिन होता है। कामिंदु और अन्य खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रयासा किया पर वानिन्दु के आउट होने से टीम का और अधिक रन बनाने का सपना टूट गया।

कप्तान ने कहा, हमने अब तक एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरकर देखा है पर तब हमें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की कमी खली जिससे टीम रनों के मामले में पीछे रह गयी। कई बार हमने एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ खेला है पर तब हम कम गेंदबाज होने से कोर का बचाव नहीं कर पाए। ऐसे में अब हमें सीखना होगा कि र पार्ट-टाइम गेंदबाजों का बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें हमें सुधार करने की जरूरत है।पाक के खिलाफ मुकाबले में श्रीलंका ने इस मुकाबले के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने और कामिल मिशारा को बाहर करके करुणारत्ने को उतारा था।

इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करती दिखेंगी

लंदन । इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करेंगी । फेया ने 29 साल की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया है । ऐसे में अब उनका पेशा बदल रहा है । वह पेशेवर क्रिकेटर की जगह पर वकील बन गयी हैं । फेया ने ये फैसला इसलिए किया है, क्योंकि अब वह वकालत की दुनिया में नाम कमाना चाहती हैं । वह ट्रेनी सॉलिसिटर के रूप में नय करियर शुरू कर रही हैं । इस खिलाड़ी ने अपना अंतिम मुकाबला हैंपशायर की टी की ओर से लंकाशायर के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल खेला था । उस मैच में फेया नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 41 रन बनाये थे । इसके अलावा 9.3 ओवर में 38 रन देकर फेया ने एक विकेट भी लिया था हालांकि वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं । फेया ने ससेक्स के लिए डेब्यू किया था । फेया ने इंग्लैंड के लिए टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय भी खेले हैं पर वह टेस्ट प्रारुप में जगह नहीं बना पायीं फेया को 35 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है । करीब 15 साल तक उन्होंने क्रिकेट खेला, लेकिन अब वह अदालत में बहस करती हुई दिखेंगी । साल 2019 के बाद से 2023 तक 9 एकदिवसीय और 26 टी20 मैच खेलने वालीं फेया डेविस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 विकेट लिए थे ।

कमाई कम होने और अवसर नहीं मिलने से डिकॉक ने बदला फैसला

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर क्विंटन डिकॉक के एकदिवसीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी का राज सामने आया है। इसके दो कारण सामने आये हैं। एक कारण संन्यास के बाद उम्मीद से कम कमाई होना और दूसरा टी20 में खेलने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना है। डिकॉक ने दो साल पहले खेल से संन्यास ले लिया था तब उनकी नजरें विदेशी लीग में मोटी कमाई पर थीं पर उन्हें अधिक लाभ नहीं मिला। इसी कारण उन्हें वापसी करनी पड़ी है। डिकॉक ने साल 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद से ही वह एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सक्रिय थे पर 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप को भी अलविदा कह दिया था। वह दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग्स में खेलना चाहते थे और दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलने वाले थे पर एकदिवसीय से संन्यास के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने अपना अंतिम टी20 मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 विश्व कप 2024 में खेला था। डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टीम में अधिक अवसर मौके नहीं मिल पा रहे थे। एक साल से ज्यादा समय से वे टी20 टीम से भी बाहर थे। डिकॉक के टीम में लौटने का दूसरा कारण ये भी है कि उनको रिटायरमेंट के बाद टी20 लीग में उतना पैसा नहीं मिल रहा, जितना उनको तब मिलता था जब वे देश के लिए खेलते थे।

इंडियन फुटबॉल के लिए बुरी खबर, 2026 एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएगी पुरुष टीम

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए बुरी खबर है । दरअसल, साल 2018 में एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का अगले साल होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेना एक बार फिर असंभव लग रहा है । बता दें कि, भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए फिर सरकार की दया पर निर्भर होगी । वहीं जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियाई खेल होने हैं । इस बहुत-खेल प्रतियोगिता का 19 सितंबर से 4 अक्टूब 2026 तक होना है । टोक्यो में 1958 और हिरोशिमा में 1994 के बाद नागोया एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा जापानी शहर होगा । खेल मंत्रालय ने बुधवार 24 सितंबर 2025 को आइची-नागोया एशियाड के लिए व्यक्तिगत एथलीटों और टीमों की पात्रता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए । ताजा स्थिति के अनुसार, एशिया में 24वें स्थान पर काबिज फुटबॉल टीम उन सख्त मानदंडों को पूरा नहीं करती है जिनके अनुसार केवल पदक जीतने की क्षमता रखने वाली टीमों और एथलीटों को ही इस महाआयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाएगा । बता दें कि, खेल मंत्रालय की तरफ से जारी परिपत्र में कहा गया है कि फुटबॉल और हॉकी जैसे टीम खेलों और रिले, युगल और मिश्रित युगल जैसी टीम स्पर्धाओं के लिए मानक एशियाई चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में स्थान या महाद्वी में टॉप 8 रैंकिंग होगी ।

'शाहीन अफरीदी जान दे देगा': संभावित भारत बनाम पाक एशिया कप फाइनल पर बोले पाकिस्तानी तेज गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर के करो या मरो वाले मुकाबले में अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इस करो या मरो वाले मुकाबले में तीन अहम विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान की एशिया कप 2025 की उम्मीदें जिंदा रहीं। मैच के बाद एक रिपोर्टर ने शाहीन से पूछा कि जब भी पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला होता है, तो उन्हें कितनी कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ता है।

पत्रकार ने पूछा, 'मेरा सवाल यह है कि जब भी पाकिस्तान-भारत मैच होता है, तो हर कोई शाहीन अफरीदी पर नजर रखता है। लेकिन पिछले 4-5 मैचों में शाहीन अफरीदी ने ऐसा प्रदर्शन नहीं किया है। तो, अगर अगले मैच में पाकिस्तान-भारत फाइनल होता है, तो क्या हम शाहीन अफरीदी का खराब फॉर्म फिर से देख सकते हैं?'। अफरीदी ने एक शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, 'क्या आप मुझे ड्रॉप करने की कोशिश कर रहे हैं? (हंसते हुए)। अगर शाहीन अफरीदी पाकिस्तान से खेलेगा, तो अपनी जान भी दे देगा।'

एशिया कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के आक्रामक व्यवहार की कई घटनाएं भी देखने को मिलीं - प्रशंसकों और विरोधियों, दोनों के प्रति और अफरीदी से पूछा गया कि क्या यह आक्रामकता हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान जैसे खिलाड़ियों की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा थी। रऊफ जहां भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाते नजर आए, वहीं रविवार को सुपर फोर मुकाबले के दौरान फरहान के गोलीबारी वाले जश्न की भी आलोचना हुई।

अफरीदी ने कहा, 'आक्रामक होने की कोई खास योजना नहीं है, हम खेलना शुरू करने के बाद से ही आक्रामक रहे हैं। क्रिकेट इसी तरह खेला जाता है और टीम का मनोबल ऊंचा रखा जाता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम ने संभावित भारत-पाकिस्तान फाइनल पर चर्चा की है, तो अफरीदी ने इस चर्चा को कमतर आंकते हुए कहा। उन्होंने कहा, 'हम अभी फाइनल में नहीं हैं, जब पहुंचेंगे, तब इस बारे में सोचेंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

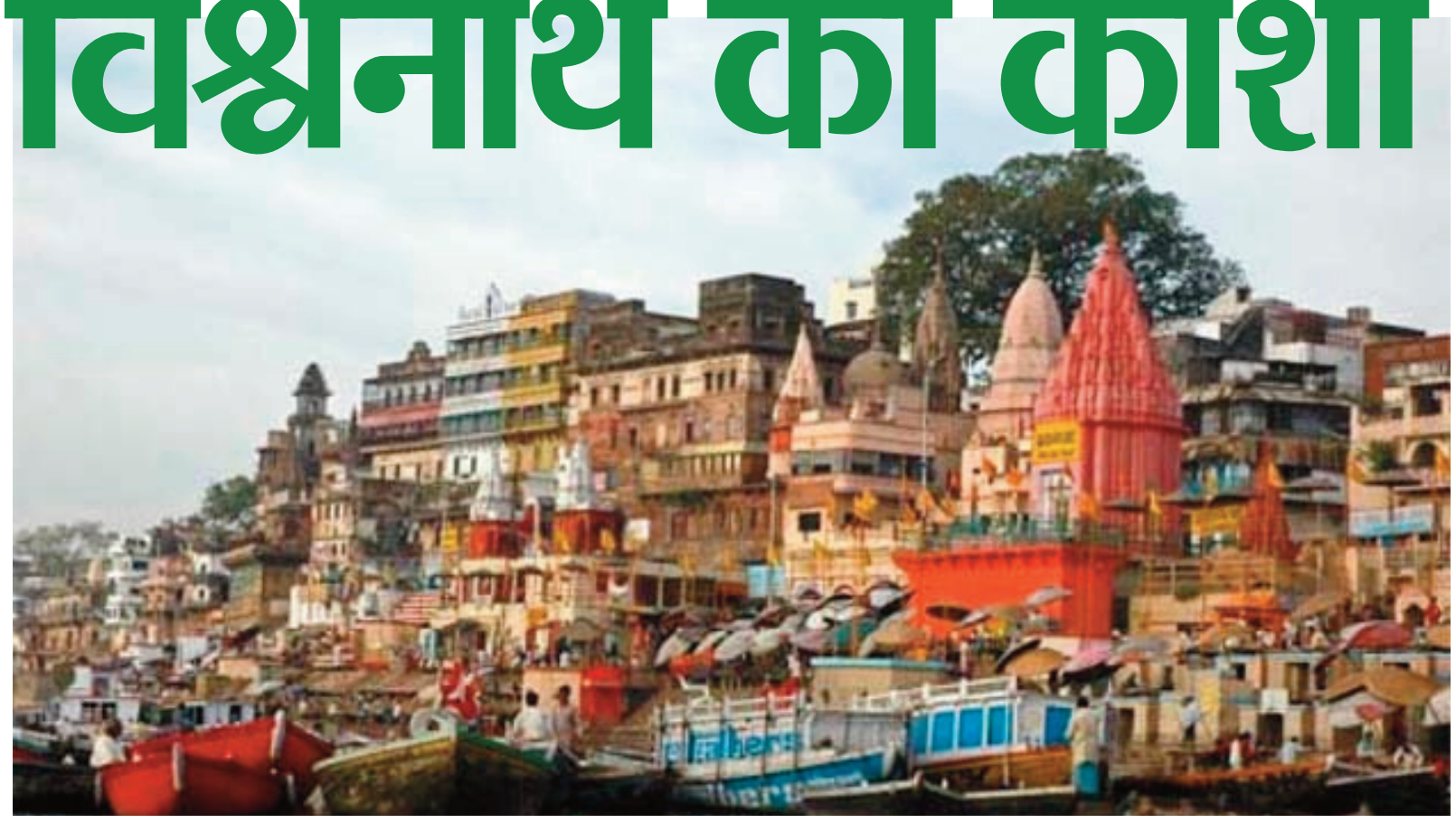

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड के गुमला में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन नक्सली ढेर, हथियार बरामद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गुमला में पुलिस ने दो सब जोनल कमांडर सहित 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बिशुनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन ढेर नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक पर 5 लाख का इनाम रखा गया था। इनके पास से एके 47 सहित 3 हथियार बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान लालू लोहरा, छोटू उरांव और सुजीत उरांव के रूप में हुई है। लालू लोहरा और छोटू उरांव, दोनों ही सब जोनल कमांडर थे। इनमें छोटू लोहरा पर पांच लाख रुपए का इनाम था। वे कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। सुजीत उरांव उनकी टीम में एक कैडर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एक एके-47 राइफल भी शामिल है। गुमला के पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने इस मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी टीम ने झारखंड जगुआर के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कार्रवाई सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एसपी ने यह भी बताया कि 2025 में गुमला पुलिस ने अब तक आधे दर्जन से अधिक नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ सुबह हुई जब पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि बिशुनपुर प्रखंड के जालिम क्षेत्र में कुछ नक्सली जमा हुए हैं। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस का सामना जेजेएमपी के बृजेश यादव की टीम के साथ हुआ। यह एनकाउंटर बिशुनपुर के केचकी स्थित रोगरीटोली के घने जंगल में हुआ। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में तीन उग्रवादी ढेर हो गए।

यूपी एटीएस ने सोनभद्र में पकड़ा पांच लाख का इनामी नक्सली

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने झारखंड के कुख्यात, पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को सोनभद्र जिले में गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएस ने पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली उमेश खरवार उर्फ नगीना उर्फ डॉक्टर को बीती शाम सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा के नजदीक गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि विगत 14 सितंबर को पलामू में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में खरवार भी पकड़ा गया था लेकिन वह किसी तरह बचकर भाग निकला था। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस को पता लगा था कि खरवार उत्तर प्रदेश में कहीं छुपा है। यह जानकारी उन्होंने उत्तर प्रदेश के एटीएस को दी जिसके आधार पर एटीएस ने मोबाइल सर्विलांस एवं अन्य माध्यमों से जानकारी ली और मंगलवार को सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा पर स्थित गांव से खरवार को गिरफ्तार कर लिया।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया, उनकी पत्नी मौरीन, दो बच्चों और अन्य के खिलाफ गोरेगांव के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामला करीब 30 साल पुराना है और जमीन विवाद से जुड़ा है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मलाड में एक भूखंड के विकास से जुड़ा है। जमीन के विकास के लिए वाडिया और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, फेरानी होटल्स को बिल्डर के. रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था, जिससे वाडिया परिवार को बिक्री से प्राप्त राशि का 12 प्रतिशत हिस्सा मिलना था। फेरानी होटल्स द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, संपत्ति के स्वामित्व को लेकर 2008 में विवाद शुरू हुआ था। फेरारी होटल्स के सीईओ महेंद्र चांदे ने आरोप लगाया है कि वाडिया परिवार ने 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में जाली दस्तावेज़ जमा किए थे। इन आरोपों के आधार पर, वाडिया परिवार समेत कुल सात लोगों पर धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज़ तैयार करने और उनका वित्तीय लाभ उठाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। महेंद्र चांदे ने 15 मार्च को बांगुर नगर पुलिस स्टेशन और 24 मार्च को मुंबई के पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर, आखिरकार उन्होंने बोरीवली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

तिहाड़ जेल परिसर से मकबूल भट्ट और अफजल गुरु की कब्रों को हटाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के संस्थापक मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने वाली याचिका को खारिज किया है। दिल्ली अदालत ने मामले को अत्यधिक संवेदनशील बताकर कहा कि इस पर निर्णय सरकार द्वारा फांसी के समय सोच-समझकर लिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करने के पीछे ये मुख्य कारण बताए हैं।

दिल्ली की अदालत के अनुसार, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सरकार ने फांसी के समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था कि दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया जाए। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद इसतरह के मामलों को दुबारा खोलना सही नहीं है, क्योंकि यह निर्णय उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। दिल्ली अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है। जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफनाने या अंतिम संस्कार करने से नहीं रोकता, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। बता दें कि अफजल गुरु को 2001 के संसद हमले का दोषी ठहराया गया था और 2013 में उन्हें तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इसी तरह, मकबूल भट्ट को भी वहीं फांसी दी गई थी। दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया गया था।

भारत ने पाकिस्तान पर कसा तंज कहा- अवैध कब्जा छोड़िए और आतंकवाद को रोकिए वर्ना...

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की रग-रग में गद्दारी और खून खराबा भरा पड़ा है। भारत में दहशत फैलाने में अपना वक्त और पैसा लगाकर बर्बाद हो रहे पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत ने एक बार फिर करारा जवाब दिया है। भारतीय राजनयिक क्षितिज त्यागी ने कहा, हमारे क्षेत्र को लेकर लालच करने के बजाए उन्हें भारतीय क्षेत्र पर किया गया अवैध कब्जा खाली कर देना चाहिए और लाइफ सपोर्ट पर टिकी अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभाव में दबी राजनीति और उत्पीड़न के धब्बे लगे मानवाधिकार के रिकॉर्ड को सुधारना चाहिए। शायद वो तब ऐसा करें, जब उन्हें आतंकवाद बढ़ाने, यूएन की तरफ से घोषित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर विस्फोट करने से फुर्सत मिले तो।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गये और सैकड़ों अन्य घायल हो गये। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस -6 बम गिराये।

ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारुद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं। इस हमले के पैमाने, लक्ष्य या वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में आधिकारिक पाकिस्तानी सैन्य या सरकारी सूत्रों से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की सेना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में नागरिकों पर किए अपने जुल्मों पर चुप्पी साधे रखती है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने परिसर पर पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हवाई हमले के दावों का खंडन करते हुए कहा कि बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों में विस्फोट हो गया, जिससे 14 आतंकवादियों समेत 24 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली में जुटेंगे 30 देशों के सेना प्रमुख, चीन-पाकिस्तान को नहीं मिला न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अगले महीने अक्टूबर के मध्य में एक अहम अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी करने जा रही है। यह विशेष सम्मेलन यूएनटीसीसी आर्मीचीफ कॉन्क्लेव के तहत आयोजित होगा, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशनों में टुकड़ी भेजने वाले 30 से अधिक देशों के सेना प्रमुख हिस्सा लेंगे।

इस बैठक का मुख्य फोकस ग्लोबल साउथ देशों पर रहेगा। इसमें न केवल आधिकारिक सत्र होंगे, बल्कि देशों के बीच द्विपक्षीय मुलाकातें भी की जाएंगी, ताकि आपसी सैन्य सहयोग को और मजबूत किया जा सके। भारतीय सेना के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना और यूएन मिशनों के दौरान मिले अनुभवों को साझा करना है। इससे शांति स्थापना अभियानों को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है। इन दोनों देशों की गैरमौजूदगी को सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और इस सम्मेलन को उसी दिशा में एक मजबूत कदम के तौर पर देखा जा रहा है। नई दिल्ली में होने वाला यह आयोजन न केवल भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि उसे ग्लोबल साउथ के देशों में सुरक्षा और शांति के भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी स्थापित करता है।

पीएम मोदी की सराहना करते हुए चंद्रबाबू बोले- मैंने भी कभी छुट्टी नहीं ली

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और फिटनेस की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने कभी छुट्टी नहीं ली, वैसे ही उन्होंने भी आज तक एक दिन की छुट्टी नहीं ली है।

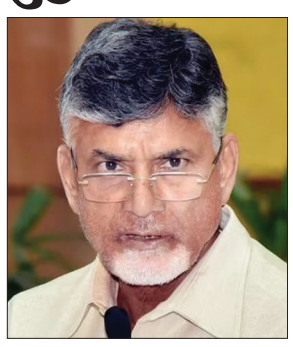

सीएम नायडू ने संतुलित खानपान को अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की कुंजी बताया। उन्होंने कहा, खाना ही दवा है और रसोई ही फार्मेसी है। यदि हम इसे अपनाएं तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। मजाकिया लहजे में उन्होंने टिप्पणी की कि आजकल लोग 40 साल में ही 120 साल का खाना खा लेते हैं, जो बीमारियों की जड़ है। इस पर विधानसभा में ठहाके गूंज उठे। मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्र प्रदेश में बढ़ते सी-सेक्शन ऑपरेशनों को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 56.62प्रतिशत डिलीवरी सी-सेक्शन से हो रही हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इनमें से 90प्रतिशत ऑपरेशन निजी अस्पतालों में हो रहे हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि डॉक्टर पैसे के लालच में सामान्य प्रसव को हतोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया जाए और उन्हें सख्त संदेश दिया जाए कि सरकार इस प्रवृत्ति का समर्थन नहीं करती। नायडू ने कहा, कि ऑपरेशन आखिर ऑपरेशन ही है। भगवान ने जो शरीर दिया है, उसे बिना कारण काटना सही नहीं है। सीएम ने यह भी कहा कि कुछ परिवार शुभ मुहूर्त के आधार पर डिलीवरी की तारीख तय करते हैं, जो प्राकृतिक गर्भावस्था चक्र में हस्तक्षेप है।

यहां पर विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए नायडू ने कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण नहीं कर रही, बल्कि पीपीपी मॉडल के तहत उन्हें विकसित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा चर्चा से भाग रहा है और बाहर झूठा प्रचार कर रहा है। नायडू ने कहा कि जनता के हित में काम करना उनकी प्राथमिकता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने वालों को उमर ने बताया, मानसिक रूप से अस्वस्थ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने का किया विरोध किया है। उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद लिखने को गैरकानूनी करार देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया है कि आखिर ये तीन साधारण शब्द कैसे गैरकानूनी हो सकते हैं।

दरअसल यह विवाद 9 सितंबर को कानपुर में तब शुरू हुआ, जब बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हिंदू संगठनों ने एक नया चलन और जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया।

वहीं इस पूरे मामले में अब्दुल्ला ने जोर दिया कि इन शब्दों पर मुकदमा दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का संकेत है। उन्होंने अदालतों से इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह कर कहा कि किसी को भी इन शब्दों पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यह किसी धर्म से संबंधित है, तब भी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि दूसरे धर्मों के लोग भी अपने गुरुओं और देवी-देवताओं के प्रति इसी तरह श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

बरेली में विवादित वीडियो

यूपी के बरेली में भी मुद्दे को लेकर विवाद हुआ। यहां इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता नफीस का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में, नफीस को कथित तौर पर किला थाना प्रभारी (एसएचओ) सुभाष कुमार को धमकी देते हुए देखा जा सकता है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अधिकारी आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर हटाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। वीडियो में नफीस को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह इंस्पेक्टर का हाथ काट दूंगा और वर्दी उतर दूंगा।

आर्थिक सुधारों को समझने के लिए शिशु बुद्धि नहीं पीएम मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए: सुधांशु

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव ने आम आदमी के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के टैक्स में कटौती की है। खाद्य पदार्थों में टैक्स शून्य से पांच प्रतिशत है। कपड़ों पर भी जीएसटी को कम कर दिया गया है। सीमेंट पर जो टैक्स 31 फीसदी था वो 18 प्रतिशत कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने इशारों में कहा कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। मोदी जी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसके साथ स्वदेशी का आह्वान किया है। महात्मा गांधी ने सबसे पहले स्वदेशी आंदोलन चलाया था और अब मोदी जी के नेतृत्व में ये अभियान चलेगा।

बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जनसामान्य को रोटी, कपड़ा और मकान में राहत नवरात्र के पहले दिन से मिल रही है। कारों पर जीएसटी कम करने का फायदा है कि एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की बिक्री हो रही है। आम जनता के हाथ में अब खर्च करने की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नवरात्र से दिवाली और छठ तक साढ़े तीन से चार लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था जनता के जरिए देश में बढ़ेगी। ये किसी खास कारण से इस वक्त लिया फैसला नहीं है। चरण दर चरण आर्थिक सुधार हुआ है। पहले लोगों के खाते खुले। जन धन खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर से पैसा आया और फिर डिजिटल ट्रांसेक्शन से पैसे का लेन देन संभव हो पाया है। इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ाई गई और फिर जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया।

आजम किसी दूसरे दल में भले चले जाएं पर यूपी का मुसलमान अखिलेश के साथ : एसटी हसन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद से उनकी राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे सपा छोड़कर बसपा या किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों के बीच, मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता डॉ. एस.टी. हसन का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर आजम खान सपा छोड़ भी देते हैं, तब भी यूपी का मुस्लिम वोटर अखिलेश यादव के साथ ही रहेगा और वोट नहीं बंटेगा।

पूर्व सांसद हसन ने दावा किया है कि यूपी के मुसलमान अभी भी मुलायम और अखिलेश यादव के साथ जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि आजम के जाने से बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुसलमानों की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है और उन्हें लगता है कि सिर्फ सपा ही ऐसा कर सकती है।

दरअसल सपा नेता हसन ने आजम खान से अपने रिश्तों में आई कड़वाहट को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट कटा गया था, इसके पीछे आजम का हाथ माना जाता है। उन्होंने कहा कि बगैर खता के मुझे सजा मिली, और इसी वजह से उनका दिल अब उनसे मिलने का नहीं चाहता। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का हुक्म होगा, तब जरुर मिलने जाऊंगा।

इन अटकलों के बावजूद, हसन को भरोसा है कि आजम खान सपा को नहीं छोड़ने वाले है। उन्होंने कहा कि आजम खान पैदाइशी समाजवादी हैं और वह सपा को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे, बल्कि पार्टी को और मजबूत करने का काम करने वाले है।

बात दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट पर सपा ने मौजूदा सांसद एस.टी. हसन का टिकट काट दिया था। उनकी जगह आजम खान की करीबी रुचि वीरा को उम्मीदवार बनाया गया, जिन्होंने चुनाव में जीत हासिल की। हसन ने पहले भी कहा था कि 2019 में उन्हें आजम खान ने ही उम्मीदवार बनवाया था।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि सपा के भीतर आजम खान की राजनीतिक स्थिति और उनके पार्टी छोड़ने की संभावना को लेकर अलग-अलग राय हैं। हालांकि, हसन के बयान से यह संकेत मिलता है कि सपा का मानना है कि आजम खान के जाने से भी मुसलमानों का वोट बैंक अखिलेश यादव के साथ बना रहेगा।

मानहानि केस में पीके को पटना हाईकोर्ट से बुलावा... 17 अक्टूबर को पेश हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार का राजनीति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पांच बड़े नेताओं सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संजय जायसवाल पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पटना हाईकोर्ट से बुलावा आ गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्री अशोक चौधरी ने जून माह में पीके पर मानहानि का जो केस किया था, उसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट ने प्रशांत किशोर को 17 अक्टूबर को पेश होने को कहा है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने पैसा देकर बेटी शांभवी चौधरी के लिए चिराग पासवान के दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) से लोकसभा चुनाव में टिकट खरीदा, इसके बाद वे समस्तीपुर से सांसद बनीं। चौधरी ने बयान को लेकर प्रशांत को पहले मानहानि का नोटिस भेजा था और बाद में इस लेकर पटना कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया था। प्रशांत किशोर पर ये पहला मानहानि का केस था। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने भी एक डिफेमेशन केस कर दिया है।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप और संजय जायसवाल को लेकर नए आरोप लगाए थे। पीके ने चौधरी पर शांभवी की सगाई से शादी के बीच में पटना में 38 करोड़ की पांच जमीन खरीदने और दो साल में 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया था। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी की ओर से चौधरी को इस आरोप पर सफाई देने कहा है। प्रशांत किशोर ने बेनामी संपत्ति जुटाने के आरोप में अशोक की पत्नी नीता चौधरी, बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। अशोक चौधरी ने ताजा आरोप को लेकर पीके को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। चौधरी ने कहा है कि प्रशांत किशोर की बातें सरासर झूठ है।

पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों में पटरी नहीं बैठ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार बार झूठ बोलते हैं और नए नए आदेश भारत के खिलाफ लेकर आते हैं। ऐसे में भारत भी है कि वो अपने देशहित के लिए किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जल्द मुलाकात होने वाली है। इस मौके पर कई मुद्दों पर दोनों देश चर्चा करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक बयान से भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर शुभ संकेत आते दिख रहे हैं। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को फिक्स के लिए तैयार हैं। रुबियो ने कहा कि ये टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे। वहीं अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर नए प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

मार्को रुबियो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। यह बैठक उन तनावों के बाद पहली बार हुई है जो भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूस से भारत के ऊर्जा आयात को लेकर बढ़े थे। एस जयशंकर से यूएनजीसी में मुलाकात के बाद रुबियो ने कहा है - भारत, अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है, खासतौर पर व्यापार, ऊर्जा, फार्मा और क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में। उन्होंने भारत के राजदूत के तौर पर नामित सर्गियो गोर से भी मुलाकात की। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-अमेरिका के बीच संबंधों का समीकरण बदलने लगा था। इसके बाद रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों देशों को बीच तनाव और बढ़ा। परिस्थितियां ऐसी आ गईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ भारत के खिलाफ 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया बल्कि ऐसे बयान भी आए कि इस वक्त के सबसे बड़े युद्ध का जिम्मेदार भारत ही है। भारत और अमेरिका के रिश्ते ही नहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। हालांकि दोनों देशों के बीच बर्फ थोड़ी पिघलती दिख रही है।

रुबियो ने कहा- 'हमने भारत के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसे सुधारा जा सकता है। राष्ट्रपति के पास और विकल्प हैं और वे आगे और कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। मार्को रुबियो का ये बयान दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा के साथ ही ये बयान आया है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम है। आपको बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुँच गया है। यह दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में टिकटॉक के एल्गोरिदम को नियंत्रित करेगी ओरेकल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चीनी प्लेटफॉर्म टिकटॉक को लेकर बड़ा सौदा हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि तकनीकी क्षेत्र के दिग्गज कंपनी ओरेकल अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के लिए टिकटॉक के एल्गोरिदम को नियंत्रित करेगी। अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य को लेकर बातचीत में चीनी कपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाले एल्गोरिदम पर नियंत्रण मुख्य मुद्दों में से एक था। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि अगर एल्गोरिदम चीनी है तो यह अनुपालन के अनुरूप नहीं होगा। बाइटडांस के साथ कोई साझा एल्गोरिदम नहीं हो सकता। ओरेकल को एल्गोरिथम की एक प्रति प्राप्त होगी और वह एप के सुरक्षा संचालन की देखरेख करेगा। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस हफ्ते के अंत में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसमें अनिवार्य रूप से यह घोषणा की जाएगी कि इस समझौते की शर्तें अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों को पूरा करती हैं। इसके बाद ट्रंप जरूरी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए 120 दिन की मोहलत जारी करेंगे।

नेपाल जैसे आंदोलन का डर, ऑनलाइन सामग्री पर नकेल

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने पड़ोसी देश नेपाल में भ्रष्टाचार, वंशवाद को लेकर जेन-जी के हिंसक आंदोलन के बाद तख्तापलट को देखते हुए ऑनलाइन सामग्री पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। चीनी सरकार को युवाओं के विद्रोह का डर सता रहा। चीनी इंटरनेट नियामक ने सोमवार को हिंसक या शत्रुतापूर्ण भावनाओं को बढ़ावा देने वाली किसी भी ऑनलाइन सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए दो माह के राष्ट्रीय अभियान की घोषणा की। धीमी होती अर्थव्यवस्था पर निराशावादी बयानों पर कार्रवाई होगी। अभियान हाल में शॉर्ट-वीडियो एप कुआइशौ, माइक्रोब्लॉगिंग साइट वीबो और इंस्टाग्राम जैसी साइट शियाओहोंगशु समेत प्रमुख प्लेटफॉर्म के खिलाफ सामग्री उल्लंघनों पर हुई कार्रवाइयों के बाद शुरू हुआ है। यह घोषणा बीजिंग पुलिस के उस बयान के बाद आई है कि उन्होंने टीवी अभिनेता 37 वर्षीय मेंगलोंग की मौत की अफवाह फैलाने के आरोपी तीन लोगों के खिलाफ अनिवार्य कार्रवाई की है। पुलिस ने कहा, यू की शराब पीने के बाद मौत हुई, लेकिन इन्होंने ध्यान आकर्षित करने को जानकारी गढ़ी और फर्जी वीडियो बनाए, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बाधित हुई।

नासा ने चुने अपने नए अंतरिक्ष यात्री, पहली बार महिलाओं की संख्या ज्यादा

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने सोमवार को अपने नए अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा की। इस बार 8,000 से ज्यादा आवेदकों में से 10 वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और टेस्ट पायलटों को चुना गया है, जो भविष्य में चंद्रमा और संभवत: मंगल ग्रह की खोज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस बार की अंतरिक्ष यात्री टीम में पहली बार पुरुषों से ज्यादा महिलाएं शामिल की गई हैं। इनमें एक भूवैज्ञानिक हैं जिन्होंने नासा के क्यूरियोसिटी मार्स रोवर मिशन पर काम किया, एक स्पेसएक्स इंजीनियर हैं जो पहले निजी स्पेसवॉक मिशन में गई थीं, और एक पूर्व स्पेसएक्स लॉन्च डायरेक्टर भी शामिल हैं। इन सभी को अब दो साल की कठोर ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद ही वे अंतरिक्ष उड़ानों के लिए पात्र बनेंगे। नासा के कार्यवाहक प्रशासक शॉन डफी ने कहा कि इनमें से कोई एक व्यक्ति भविष्य में मंगल ग्रह पर कदम रखने वाला पहला इंसान हो सकता है। यह नासा का 24वां अंतरिक्ष यात्री बैच है, जिसकी शुरुआत 1959 में मर्करी सेवन टीम से हुई थी। पिछला बैच 2021 में चुना गया था। नासा के इतिहास में अब तक केवल 370 लोगों को अंतरिक्ष यात्री बनने का मौका मिला है, जो इसे एक बेहद खास और सीमित क्लब बनाता है।

श्रीलंका में नौसेना प्रमुख ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने 22 सितम्बर को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स (आईपीकेएफ) मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह समारोह उन सैनिकों के साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने श्रीलंका में शांति बनाए रखने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। इस दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा मंत्री के साथ मुलाकात की। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने, नौसैनिक साझेदारी मजबूत करने और संयुक्त प्रशिक्षण को लेकर चर्चा हुई। यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच दोस्ती, समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

हमास ने 3 फिलिस्तीनियों को सरेआम मौत के घाट उतारा

गाजा, एजेंसी। इजरायल के ताबड़तोड़ हमले और विध्वंसक कार्रवाई के बीच हमास आतंकियों ने गाजा में तीन फिलिस्तीनियों को सरेआम मौत के घाट उतार दिया। जिस वक्त नकाबपोश हमास आतंकी तीनों फिलिस्तीनी नागरिकों को सजा-ए-मौत दे रहे थे, उस वक्त वहां मौजूद भीड़ नारे लगा रही थी। आरोप है कि तीनों फिलिस्तानी नागरिक गाजा में इजरायली अभियान को मदद पहुंचा रहे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, हमास से जुड़े एक टेलीग्राम ग्रुप पर मूल रूप से पोस्ट की गई इस हत्या की भयावह फुटेज में, तीन लोग आँखों पर पट्टी बाँधे, जमीन पर घुटनों के बल बैठे दिखाई दे रहे हैं, उनके सामने हमास के तीन बंदूकधारी आतंकी स्वचालित हथियार लिए हुए हैं, जबकि चौथा व्यक्ति ऊँची आवाज़ में अरबी में कागज़ के एक टुकड़े पर लिखा हुआ पढ़ रहा है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नकाबपोश हमास आतंकवादियों ने गाजा शहर के शिफा अस्पताल के बाहर ये हत्याएँ कीं हैं। यह अस्पताल इजरायल के जमीनी हमले के केंद्र में रहा है। पीड़ितों की आँखों पर पट्टी बाँधकर और घुटनों के बल बैठाकर, भीड़ के जयकारे के बीच उन्हें कई बार गोली मारी गई। न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार, इस दौरान एक बंदूकधारी ने फांसी से पहले

अरबी में घोषणा करते हुए कहा कि इजरायल के इन सभी सहयोगियों के लिए मौत की सज़ा मुकर्रर की गई है।

तुम्हारा विश्वासघात तुम्हें नहीं बख्श सकता : बाद में हमास आतंकियों ने उन फिलिस्तीनियों को शवों पर हस्तलिखित नोट छोड़ दिए, जिन पर लिखा था÷ ÷तुम्हारा विश्वासघात तुम्हें बिना सज़ा के नहीं बख्श सकता। कड़ी सज़ा का इंतज़ार था। वह पूरा हुआ।÷ हमास के गृह मंत्रालय ने इन मृतक फिलिस्तीनियों को अपराधियों का एक समूह बताया है, जिन्होंने इज़रायल के साथ मिलकर देशद्रोह का काम काम किया था। एक फ़िलिस्तीनी सुरक्षा अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन हत्याओं को फ़िलिस्तीनी प्रतिरोध के संयुक्त अभियान के लोगों ने अंजाम दिया है, जबकि न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार, क़स्साम ब्रिगेड, इस्लामिक जिहाद और मुजाहिदीन ब्रिगेड जैसे सशस्त्र समूहों ने कथित तौर पर इन हत्याओं को अंजाम दिया है।

यासर अबू शबाब कौन था, जिसे सरेआम दी गई सजा-ए मौत : जिन लोगों को सरेआम मौत के घाट उतारा गया है, उनमें से एक, यासर अबू शबाब, को इजरायल का प्रमुख सहयोगी बताया गया है। कथित तौर पर वह इज़रायल के एक सशस्त्र कबीले का नेतृत्व करता था और इज़रायली नियंत्रण वाले राफ़ा में सक्रिय था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कबीला खुद को हमास का विरोधी बताता था, हालाँकि अबू शबाब ने इस बात से इनकार किया था कि इज़रायल ने उसके समूह को हथियार दिए थे।

पहले भी हमास दे चुका ऐसी हत्याओं को अंजाम : तीन फिलिस्तीनी नागरिकों की सरेआम हत्या की घटना कथित असंतुष्टों के खिलाफ हमास की हिंसक बदले की एक प्रवृत्ति दिखाती है। इससे पहले मई में भी हमास आतंकियों ने मानवीय सहायता और राहत सामग्री लूटने के आरोप में छह फ़िलिस्तीनियों को मौत के घाट उतार डाला था और 13 अन्य को पैरों में गोली मार दी थी।

गाजा में जारी है ढुष्ठस्र का अभियान : इस बीच, इजरायली सेना गाजा सिटी में अपना अभियान जारी रखे हुए है। ढुष्ठस्र लगातार हमास के बुनियादी ढांचों और हमास लड़ाकों को निशाना बना रही है। इजरायली सेना ने कहा कि उसका उद्देश्य हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराना और समूह के ÷मुख्य गढ़÷ कहे जाने वाले क्षेत्र में 3,000 आतंकवादियों को हराना है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दक्षिणी इजरायल पर 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के जवाब में शुरू हुए इस हमले में गाजा में अब तक कम से कम 65,344 लोग मारे गए हैं।

मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी, बाइडन को फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से न रोकने पर हैरिस को अफसोस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें जो बाइडन को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में दोबारा न उतरने की सलाह देनी चाहिए थी। लेकिन उस समय उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका उन्हें अब अफसोस है। कमला हैरिस का कहना है कि उस वक्त ज्यादातर अमेरिकी मानते थे कि जो बाइडन उम्रदराज हो चुके हैं और राष्ट्रपति पद का दूसरा कार्यकाल संभालना उनके लिए बेहद कठिन होगा। राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद पहली बार एक न्यूज चैनल से लाइव इंटरव्यू में कमला हैरिस ने सोमवार को कहा, मेरे पास एक खास जिम्मेदारी थी, जिसे मुझे निभाना चाहिए था। मैंने उस समय अपने मन की बात खुलकर नहीं कही।

अपनी किताब में भी हैरिस ने किया जिक्र : कमला हैरिस ने हाल ही में 107 डेज नाम की किताब लिखी है, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि बाइडन के चुनाव से हटने के बाद कैसे उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान संभाली। किताब में उन्होंने लिखा कि व्हाइट हाउस में हर कोई यही कहता था कि चुनाव लड़ने या न लड़ने का फैसला सिर्फ जो और जिल बाइडन का निजी निर्णय है। लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह सिर्फ बाइडन दंपत्ति का व्यक्तिगत फैसला नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा, क्या वह शालीनता थी या लापरवाही? अब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो लगता है कि यह लापरवाही थी। बहुत बड़ा दांव था। यह किसी एक व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा का विषय नहीं होना चाहिए था। यह एक बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी का मामला था।

इस दौरान कमला हैरिस ने साफ कहा कि जब वे लापरवाही शब्द का इस्तेमाल करती हैं, तो उसमें सबसे बड़ा इशारा खुद की तरफ होता है। उन्होंने माना कि उस समय उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडन से खुलकर कहना चाहिए था कि वे दोबारा चुनाव न लड़ें। लेकिन ऐसा न कर पाने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे डर था कि अगर मैं यह कहूंगी, तो लोग समझेंगे कि मैं खुद राष्ट्रपति पद के लिए मैदान तैयार कर रही हूं। यह पूरी तरह स्वार्थी कदम माना जाता। हैरिस ने याद दिलाया कि 2020 में उन्होंने राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक नामांकन की दौड़ में बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ा था, बाद में उन्होंने उपराष्ट्रपति का पद संभाला।

बच्चों को सूटकेस में बंद कर विदेश भाग गई महिला, कोर्ट में सुनवाई के दौरान रो पड़े जज

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की एक अदालत ने अपने ही दो बच्चों की हत्या करने की आरोपी महिला को दोषी करार दिया है। जानकारी के मुताबिक महिला 6 और आठ साल के दो बच्चों को सूटकेस में बंद करके विदेश चली गई थी। घटना के चार साल बाद एक स्टोर में पड़ा सूटकेस जब खोला गया तो बच्चों के कंकाल मिले। जानकारी के मुताबिक न्यूजीलैंड की महिला 2018 में साउथ कोरिया चली गई थी और अपना नाम बदलकर रह रही थी। नवंबर 2022 में आरोपी महिला को साउथ कोरिया से प्रत्यर्पित कर दिया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक न्यूजीलैंड की नागरिक ली का कारनामा सुनकर कोर्ट में सुनवाई करने वाले जजों के भी आंख में आंसू आ गए। आरोपी महिला के पति की 2017 में मौत हो गई थी। इसके बाद दोनों बच्चो की जिम्मेदारी ली पर ही थी। आरोपी महिला ने स्वीकार किया कि उसने दोनों बच्चों को जहर देकर सूटकेस में बंद कर दिया था। ली के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि पति की मौत के बाद वह सदमें थीं और उनकी स्थिति पागलों की तरह

हो गई थी। ऐसे में उन्हें सही गलत की समझ नहीं रह गई और मानसिक स्थिति खराब होने की वजह से वह दोनों बच्चों को मारकर खुद भी सूइसाइड करना चाहती थी। दरअसल ली अपना सामान एक लॉकर में रखकर साउथ कोरिया चली गई थी। 2022 में आर्थिक समस्या की वजह से वह लॉकर की फीस नहीं दे पाई। इसके बाद उनके सामान की जनलाइन नीलामी हुई। खरीदने वाले ने सूटकेस खोला तो देखा कि उसमें बच्चों के कंकाल हैं। कोर्ट ने ली को दोषी करार देते हुए कहा कि 26 नवंबर को उन्हें सजा सुनाई जाए। न्यूजीलैंड के कानून के मुताबिक हत्या करने वाले को उम्रकैद की सजा हो सकती है। इसके अलावा 10 साल पूरे करने से पहले उसे परोल भी नहीं दी जाती है।

दो-राज्य समाधान ही एकमात्र रास्ता, इस्त्राइल-फलस्तीन विवाद पर बोला संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि इस्त्राइल और फलस्तीन के बीच दशकों पुराने संघर्ष को सुलझाने का केवल एक ही तरीका है- दो-राज्य समाधान। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि मौजूदा चुनौतियों का हल तभी निकल सकता है जब इस्त्राइल और फलस्तीन, दो स्वतंत्र देशों के रूप में, साथ-साथ शांति और सुरक्षा के साथ रहें।

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन के बाद फ्रांस का एलान : इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फलस्तीन को औपचारिक रूप से राज्य के रूप में मान्यता देने की घोषणा की। इससे पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी रविवार को यह एलान कर चुके हैं। अब तक 140 से अधिक देश फलस्तीन को

मान्यता दे चुके हैं। फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों का यह कदम खास मायने रखता है क्योंकि ये दोनों जी-7 समूह और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं। इमैनुएल मैक्रों ने कहा, यह फैसला हमास की हार है। दो-राज्य समाधान ही एकमात्र रास्ता है जिससे इस्त्राइल और फलस्तीन शांति से रह सकेंगे।

इस्त्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया : इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन घोषणाओं को आतंकवाद को इनाम करार दिया। उन्होंने कहा, 7 अक्तूबर के हमले के बाद फलस्तीन को मान्यता देना आतंकियों को पुरस्कृत करने जैसा है। यह कभी नहीं होगा। नेतन्याहू ने साफ कहा कि जॉर्डन नदी के पश्चिम में कभी फलस्तीनी राज्य नहीं बनेगा। इस्त्राइली विदेश मंत्रालय ने भी इन देशों के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि शांति तभी संभव है जब फलस्तीनी प्राधिकरण आतंकवाद और भड़काऊ गतिविधियों को पूरी तरह रोके। मंत्रालय का कहना है कि राजनीतिक दिखावे की बजाय देशों को हमास पर दबाव डालना चाहिए कि वह बंधकों को छोड़े और अपने हथियार डाले।

इस्त्राइल-फलस्तीन विवाद पर भारत का रुख : हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दो-राज्य समाधान के पक्ष में एक प्रस्ताव लाया गया था। भारत समेत 142 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया था। फलस्तीन के विदेश मंत्रालय ने कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के फैसले का स्वागत करते हुए इसे शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

भारत यूएन में एक महत्वपूर्ण आवाज है : न्यूयॉर्क में चल रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कई अहम मुद्दों पर बयान दिया। इस दौरान दुजारिक ने कहा कि इस बार का बड़ा मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में सुधार है, ताकि यह संगठन 2025 की दुनिया के हिसाब से ज्यादा तेज, प्रभावी और प्रतिनिधित्वकारी बने। उन्होंने कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का बहुत अहम हिस्सा है। भारत बहुपक्षवाद का मजबूत समर्थक है और महासचिव के भारत सरकार से बहुत अच्छे संबंध हैं।

फ्रांस में 80 जगहों पर फहराए गए फिलिस्तीनी झंडे, मान्यता के जश्न से तनाव की आशंका

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने इजरायल और अमेरिका के विरोध में जाते हुए फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में इसका ऐलान कर दिया है। यही नहीं इस बीच फ्रांस के अंदर भी इस मसले पर तनाव पैदा होता दिख रहा है। इजरायल ने फ्रांस के फैसले को आतंकियों को बढ़ावा देने वाला बताया है तो वहीं अमेरिका भी इस फैसले से सहज नहीं है। अहम बात यह है कि फ्रांस के अंदर भी इसे लेकर चिंताजनक स्थिति पैदा हो सकती है। वजह यह है कि फिलिस्तीन को मान्यता देने के मौके पर फ्रांस में कुल 86 जगहों पर फिलिस्तीन के झंडे फहराए गए हैं। कई जगहों पर आयोजन भी हुए हैं।

इस तरह फ्रांस में लेफ्ट विंग की राजनीति करने वाले फिलिस्तीन को मान्यता देने का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन एक वर्ग इससे नाराज भी है। फ्रांस में इसे लेकर चिंता भी बढ़ सकती है। इसकी वजह यह है कि फ्रांस यूरोप का सबसे ज्यादा यहूदी आबादी वाला देश है। यहां कुल 5 लाख यहूदी बसते हैं और वहां के अहम प्रतिष्ठानों में महत्वपूर्ण पदों पर भी हैं। ऐसे में यदि फिलिस्तीन को मान्यता देने का जश्न अधिक मना तो नाराजगी देखी जा सकती है। फ्रांस सरकार ने फिलिस्तीन को मान्यता देने का जश्न मनाने या फिर झंडा आदि फहराने पर रोक लगा रखी थी। इसके बाद भी आयोजन हुए हैं।

फ्रांस के लयॉन, नानतेस, रेनेस जैसे शहरों में फिलिस्तीन के झंडे फहराए गए हैं। इसके अलावा पेरिस के सिटी हॉल में भी एक आयोजन हुआ। इस दौरान आधे घंटे तक फिलिस्तीन का झंडा फहराया गया। ऐसा तब हुआ, जबकि सोशलिस्ट मेयर ऐने हिडाल्गो ने ऐसे आयोजन का विरोध भी किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश भर में 86 स्थानों पर ऐसे आयोजन हुए हैं। अब कुछ लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में ऐक्शन होना चाहिए। अदालत में केस दायर करना चाहिए। इन लोगों की नाराजगी है कि आखिर दूसरे देश के झंडे फहराने के लिए फ्रांस में आयोजन क्यों किए जा रहे हैं। बता दें कि 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने भीषण आतंकी हमला इजरायल में किया था।

इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 250 के करीब लोगों को अगवा कर लिया गया था। इस हमले के बाद इजरायल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमले शुरू किए थे। यह जंग अब भी लगातार जारी है। इसी जंग के विरोध में फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन जैसे देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है।

डेनमार्क के बाद नॉर्वे के ओस्लो एयरपोर्ट के ऊपर उड़ान भरते देखे गए ड्रोन, घंटों बाधित रहे एयरस्पेस

ओस्लो, एजेंसी। पोलैंड और एस्टोनिया में संदिग्ध रूसी ड्रोन्स देखे जाने के बाद यूरोप में चिंता का माहौल है। इस बीच डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में सोमवार देर रात कुछ ड्रोन्स देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि ड्रोन्स देखे जाने के बाद 15 से ज्यादा उड़ानों का मार्ग बदला गया। इस बीच सोमवार देर रात ही नॉर्वे के ओस्लो हवाई अड्डे के पास भी एक ड्रोन के देखे जाने की खबरें आई हैं, जिसके चलते एयरपोर्ट के ऊपर पूरे हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, डेनमार्क के एयरपोर्ट के ऊपर सोमवार को दो से तीन बड़े ड्रोन्स देखे गए। अभी यह साफ नहीं है कि यह ड्रोन्स किस तरह के थे या कहां से भेजे गए थे। हालांकि, इनकी पहचान होते ही फ्लाइट्स की तुरंत लैंडिंग करा ली गई और उड़ान भरने जा रहे विमानों का टेकऑफ रोक दिया गया। कुछ अन्य विमानों को दूसरे एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। यूरोकंट्रोल के मुताबिक, कम से कम 50 उड़ानों को अब तक रद्द किया जा चुका है, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट दूसरे एयरपोर्ट्स भेजी गई हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, कोपनहेगन जाने वाले कम से कम 35 विमानों को अपना मार्ग बदलना पड़ा है। एयरपोर्ट की तरफ से एक्स पर किए गए एक पोस्ट के मुताबिक कोपनहेगन हवाई अड्डे के आसपास रात 11-12 के बीच भी हवाई संचालन बाधित रहा। इसके चलते डेनमार्क की राजधानी जाने वाली अधिकतर फ्लाइट्स को या तो दूसरे एयरपोर्ट रवाना किया गया है या रद्द कर दिया गया है। ओस्लो एयरपोर्ट पर भी ड्रोन दिखा, हवाई सेवाएं रोकी गईं दूसरी तरफ नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के एयरपोर्ट के ऊपर भी एक संदिग्ध ड्रोन के उड़ान भरते देखे जाने की खबरें हैं। नॉर्वे के एयरपोर्ट संचालक एविनोर के मुताबिक, गार्डेमोएन एयरपोर्ट के ऊपर हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल ड्रोन की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है, हालांकि इसके पायलट का अब तक पता नहीं चल पाया है। बताया गया है कि इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे मध्य ओस्लो में प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने के आरोप में पूछताछ जारी है।

अमेरिका ने पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को सजा सुनाने वाले जज की पत्नी पर लगाए प्रतिबंध

साओ पाउलो, एजेंसी। अमेरिका ने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के उस जज की पत्नी पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिन्होंने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ कथित तख्तापलट की साजिश के मामले की जांच की थी। बोल्सोनारो को इसी महीने 27 साल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के सॉलिसिटर जनरल जोर्ज मेसियास का भी अमेरिकी वीजा रद्द कर दिया है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर फैसले की आलोचना की थी। जस्टिस अलेक्जेंड्रे डे मोराइस की पत्नी विवियाने बार्सी डे मोराइस को अमेरिकी ग्लोबल मैगनिट्स्की एक्ट के तहत प्रतिबंधित किया गया है। यह कानून आमतौर पर मानवाधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ इस्तेमाल होता है। जस्टिस डे मोराइस खुद भी इसी कानून के तहत पहले निशाने पर आ चुके हैं, क्योंकि उन्होंने बोल्सोनारो के खिलाफ जांच की निगरानी की थी। यह ट्रंप प्रशासन की ओर से ब्राजील के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की कड़ी में ताजा मामला है। इससे पहले भी ब्राजील के कई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और देश के अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ पचास फीसदी तक बढ़ा दिए गए हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के जज मोराइस के साथ काम करने वाले अन्य कुछ जजों के भी अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए गए हैं। हालांकि, इन जजों ने व्यक्तिगत रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। मोराइस परिवार की

एक होल्डिंग कंपनी पर भी मैगनिट्स्की एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। ट्रंप के हमलों से प्रभावित नहीं होंगी ब्राजील की संस्थाएं÷ जस्टिस डे मोराइस जस्टिस डे मोराइस ने एक बयान में कहा कि ब्राजील की संस्थाएं मजबूत और स्थिर हैं और ट्रंप प्रशासन के हमलों से प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी पर लगाया गया प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून, ब्राजील की संप्रभुता और न्यायपालिका की आजादी पर हमला है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि जस्टिस डे मोराइस ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अदालतों का राजनीतिक हथियार बनाया, बिना मुकदमे के गिरफ्तारी के आदेश दिए और अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया। मंत्रालय के बयान में कहा गया, ये प्रतिबंध उन कदमों का हिस्सा हैं, जो ट्रंप प्रशासन ने जस्टिस मोराइस को उनके अधिकारों के दुरुपयोग, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार ठहराने के मकसद से उठाए हैं। पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो पर आरोप है कि उन्होंने साल 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश की। हालांकि, उन्होंने अब तक अपील दायर नहीं की है और उन्हें जेल नहीं भेजा गया है। ब्राजील के सॉलिसिटर जनरल मेसियास ने अमेरिकी कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि वह जिम्मेदारी और मजबूती से अपना काम करना जारी रखेंगे। शुक्रवार को ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जेंड्रे पादिल्हा ने भी कहा कि वह अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासाभा की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें ऐसा वीजा दिया है, जिसमें देश के अंदर यात्रा पर पाबंदी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंह में पत्थर ठूंसकर बच्चे को जंगल में फेंका, जलाने के भी निशान मिले

भीलवाड़ा। मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। 15 दिन के मासूम को जंगल में फेंक दिया। रोने की आवाज न आए, इसलिए उसके मुंह में पत्थर ठूंसकर फेवीक्विक से चिपका दिया। मवेशी चराने वाले की नजर बच्चे पर पड़ी तो उसके होश उड़ गए। पत्थर मुंह से निकालते ही मासूम रोने लगा। तुरंत लोगों ने मासूम को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज किया जा रहा है। घटना मांडलगढ़ में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे की है। हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह ने बताया कि बिजौलिया में सीता का कुंड मंदिर के सामने सड़क से सटे जंगल में बच्चा मिला है। मवेशी चरा रहा युवक पत्थरों के ढेर के पास पहुंचा तो बच्चा तड़प रहा था। उसके मुंह में पत्थर फंसा हुआ था। उसने अन्य लोगों को बुलाया। मुंह से पत्थर निकाला और बच्चे को बिजौलिया के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया- बच्चे को वहां कौन छोड़कर गया? इसके बारे में जानकारी करने के लिए फिलहाल ग्रामीणों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं मांडलगढ़ और बिजौलिया के हॉस्पिटल में पिछले दिनों हुए डिलीवरी की जानकारी जुटाई जा रही है।

लद्दाख में हिंसा, भाजपा ऑफिस में आग लगाई

राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने सीआरपीएफ की गाड़ी जलाई, सोनम वांगचुक बोले- बेवकूफी बंद करें

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। छात्रों ने भाजपा ऑफिस में आग लगा दी। पुलिस पर पत्थरबाजी की, CRPF की गाड़ी में आग लगा दी। ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। इस दौरान हिंसा हुई। यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। इस मांगों को लेकर अगली बैठक दिल्ली में 6 अक्टूबर को होगी। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35अ हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। आंदोलनकारियों ने मंगलवार की रात को 24 सितंबर को लद्दाख बंद का आह्वान किया था। भीड़ जुटाने के लिए सोशल मीडिया का

इस्तेमाल किया। लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की। इसका असर दिखा और बड़ी तादाद में लोग पहुंचे।लेह हिल काउंसिल के सामने आंदोलनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगा रखे थे। जब आंदोलन कारी आगे बढ़े तो पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, लेकिन भीड़ ने पुलिस की गाड़ी जलाई और तोड़फोड़ की।नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता शेख बशीर अहमद ने कहा, "यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारा मानना है कि 5 अगस्त 2019 के फैसले को लेह या जम्मू-कश्मीर के लोगों ने स्वीकार नहीं किया। दुख की बात है कि लोग सिर्फ अब ही विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि तब से मांग कर रहे हैं जब उनका क्षेत्र यूनियन टेरिटरी बना था। वे पांचवीं अनुसूची लागू करने और विधायी अधिकार देने की मांग करते रहे हैं। जब इन मांगों को अनसुना किया गया, तो कुछ लोगों ने कथित रूप से ऑफिस में आग लगाई और हिंसा की, जिससे यह स्थिति बनी।" नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, "यह बहुत दुख की बात है कि सब कुछ गलत तरीके से संभाला जा रहा है। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर को संभाला जा रहा है, उसी तरह लद्दाख के साथ भी गलत हो रहा है। हालांकि यह सच है, हम हिंसा की निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों के साथ बैठकर बातचीत करेगी।" हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने कहा, यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है।

खुशखबरी: रेलवे के 10 लाख कर्मियों को दिवाली बोनस

बिहार के लिए 6 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपये के उत्पादकता-आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दे दी है। इससे 10.90 लाख कर्मचारियों को दिवाली से पहले उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए लाभ मिलेगा। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजार करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह बोनस उनके 78 दिनों के वेतन के बराबर है। हर साल दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान किया जाता है। पिछले साल मोदी सरकार ने रेल कर्मचारियों के लिए 2,029 करोड़ रुपये के बोनस को मंजूरी दी थी। इससे 11,72,240 कर्मचारियों को लाभ हुआ था। एक पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए अधिकतम देय राशि 17,951 रुपये है। यह राशि कई प्रकार के रेल कर्मचारियों को दी जाएगी। इनमें ट्रैक मेंटेनर, लोकोमोटिव पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप 'सी' कर्मचारी शामिल हैं। सरकार ने कहा, "वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1614.90 मिलियन टन माल ढुलाई की और लगभग 7.3 बिलियन यात्रियों को ढोया।" वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने नेशनल शिप बिल्डिंग मिशन को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत के जहाज निर्माण और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को भी मंजूरी दी। यह मिशन घरेलू क्षमता को मजबूत करने, दीर्घकालिक वित्तपोषण में सुधार करने, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड विकास को बढ़ावा देने, तकनीकी क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने तथा मजबूत समुद्री बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कानूनी, कराधान और नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए बनाया गया है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए यह बात कही। इस पैकेज के तहत, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) को 24,736 करोड़ रुपये की कुल राशि के साथ 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य भारत में जहाज निर्माण को प्रोत्साहित करना है और इसमें 4,001 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ एक शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट भी शामिल है।

कैबिनेट से ₹94916 करोड़ की छह परियोजनाओं को मंजूरी

रेलवे: बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया दोहरीकरण	2,192
राजमार्ग: साहेबगंज–बेतिया खंड (NH-139W) का फोर लेन निर्माण	3,822
रेलवे उत्पादकता से जुड़ा बोनस	1,866
जहाज निर्माण और समुद्री विकास सुधार	69,725
सीएसआईआर योजना: क्षमता निर्माण एवं मानव संसाधन विकास	2,277
चिकित्सकीय शिक्षा का विस्तार	15,034
कुल	94,916

मुरादाबाद में किसान महापंचायत

मुरादाबाद। बुधवार को आंबेडकर पार्क में किसान संगठनों की महापंचायत आयोजित हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसान नेता राकेश टिकैत शामिल हुए। जिले भर से बड़ी संख्या में किसान पंचायत में पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ने पहले से ही पुख्ता इंतजाम किए थे। महापंचायत में राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन लूटने की तैयारी चल रही है। गन्ने का उचित भाव नहीं मिल रहा, एमएसपी कानून की मांग अब भी अधूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों के दाम तय करने की बजाय उन्हें मुकदमों में फंसाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर चल रही है, जिससे किसानों और आम जनता की परेशानियां बढ़ रही हैं।

दावा: अब वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने-हटाने का प्रोसेस बदला

वेरिफिकेशन के लिए आधार जरूरी, राहुल बोले- जब चोरी पकड़ी गई तो ताला लगाया

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट से नाम हटाने-जोड़ने के लिए अब आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इसके लिए चुनाव आयोग (EC) ने अपने पोर्टल और एप पर एक नया ई-साइन फीचर शुरू किया है। यह दावा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक 23 सितंबर से पहले आधार वेरिफिकेशन जरूरी नहीं था। ज्ञानेश जी (मुख्य निर्वाचन आयुक्त), हमने चोरी पकड़ी तब आपको ताला लगाना याद आया। अब चोरों को भी पकड़ेंगे। तो बताइए, उक्कको सबूत कब दे रहे हैं आप।राहुल लगातार चुनाव आयोग पर वोट डिलीट करने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने 18 सितंबर को कहा था कि कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट से 6000 से अधिक वोटों को हटाया गया। पहले चुनाव आयोग के एप और पोर्टल पर फॉर्म भरने के लिए लोग सिर्फ अपना मोबाइल नंबर और वोटर आईडी (EPIC) नंबर डालकर आवेदन कर सकते थे। उस समय यह जांच नहीं होती थी कि दी गई जानकारी सच में उसी व्यक्ति की है या नहीं। अब ECINet पोर्टल पर एक नया फीचर दिखाई दे रहा है, जिससे जानकारी की पुष्टि करना जरूरी हो गया है। हालांकि चुनाव आयोग ने इस बदलाव की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की है। आधार से नाम और नंबर वेरिफाई कराना जरूरी पोर्टल पर नए वोटर के रजिस्ट्रेशन के लिए फॉर्म 6, वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने/हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति के लिए फॉर्म 7 और सुधार के लिए फॉर्म 8 भरने वाले आवेदक को अब पहचान वेरिफाई करानी होगी। इसके जरिए चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जिस वोटर आईडी कार्ड के लिए आवेदक आवेदन कर रहे हैं, उसमें उनका नाम उनके आधार कार्ड पर दिए नाम के समान ही हो। आवेदक जिस मोबाइल नंबर का उपयोग कर रहे हैं, वह भी आधार से जुड़ा हो। दरअसल, राहुल गांधी कई बार आरोप लगा चुके हैं कि वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, वोटों का अवैध जोड़-घटाव और संस्थानों का दुरुपयोग कर चुनाव जीते गए। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने महादेवपुरा और आलंद जैसे इलाकों में इसके उदाहरण भी सामने रखे हैं और आने वाले समय में और भी सबूत जनता को दिखाए जाएंगे।

महाराष्ट्र के पांच जिलों में बाढ़, आठ लोगों की मौत

बंगाल में 10 की जान गई, मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। इनमें लातूर में तीन, बीड में दो और छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और धाराशिव में एक-एक लोगों की मौत बिजली गिरने, डूबने और अन्य कारणों से हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि मराठवाड़ा के आठ जिलों में 766 घरों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है। 33,010 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर लगी फसलें खराब हो गईं। बीड और धाराशिव में पांच बांध, कई सड़कें, पुल और स्कूलों को भी नुकसान पहुंचा है। इधर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और आसपास के जिलों में बारिश से मरने वालों का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इनमें 8 मौतें सिर्फ कोलकाता में हुईं। 10 में से 9 लोगों की मौत करंट लगने से हुई। कोलकाता के कई इलाके लगातार दूसरे दिन जलमग्न हैं। कोलकाता में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक 251.4 मिमी बारिश हुई थी। कोलकाता में 39 साल बाद एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश हुई थी। इससे पहले 26 सितंबर 1986 को एक दिन में 259.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। भारी बारिश के चलते पूरा कोलकाता के ज्यादातर इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। 30 से ज्यादा फ्लाइट्स और कई

ट्रेनें कैंसिल की गईं। स्कूल-कॉलेजों में 25 सितंबर तक छुट्टी की गई है। मूसलाधार बारिश से कई दुर्गा पूजा पंडालों और मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचा है। इधर, मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने बुधवार को नीमच, श्योपुर, मुरैना और भिंड से मानसून के विदा होने की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति पर बताया कि NDRF और SDRF की लगभग 17 टीमें प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू के कामों में जुटी है। CM ने कहा- धाराशिव में NDRF की मदद से लोगों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया है। CM फडणवीस ने बताया कि उन्होंने किसानों के लिए 2,215 करोड़ रुपए के ऑर्डर जारी किए हैं। इसके अलावा, किसानों को 1,829 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। उट ने कहा- हमने किसानों को तत्काल मुआवजा देने का फैसला किया है। अगले 10 दिनों के भीतर किसानों के खातों में धनराशि भेज दी जाएगी। कोलकाता में 22 सितंबर की रात से 23 सितंबर की सुबह तक काफी बारिश हुई। कई जगह पानी भरा हुआ है। एक कार को क्रेन से निकाला गया। छत्तीसगढ़ के 25 जिलों में बुधवार को बारिश की संभावना है। रायपुर में देर रात से बूंदाबांदी जारी है। मौसम विभाग ने महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, सरगुजा, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और रायपुर सहित 19 जिलों में मध्यम से भारी बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब में अगले चौबीस घंटे के दौरान मानसून की विदाई हो सकती है। राज्य में 29 सितंबर तक बारिश की संभावना नहीं है। मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। पिछले 24 घंटे में राज्य के तापमान में 0.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, औसत अधिकतम तापमान से 1.9 डिग्री अधिक है। राज्य में सबसे अधिक तापमान 37 डिग्री अबोहर में दर्ज किया गया है।हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश ने 30 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस मानसून सीजन में 1023 मिलीमीटर बादल बरस चुके हैं। बीते 30 साल में कभी भी इतनी भारी बारिश नहीं हुई। इससे पहले, 1995 में यानी 31 साल पहले जरूर 1029 मिलीमीटर बारिश हुई है। हालांकि, अभी हिमाचल से मानसून की वापसी नहीं हुई।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला: च्यवनप्राश के विज्ञापन में बदलाव करे पतंजलि

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को मंगलवार को अपने च्यवनप्राश के विज्ञापन से कुछ हिस्से हटाने का निर्देश दिया है। जस्टिस हरि शंकर और ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने यह निर्देश हाईकोर्ट के ही पुराने आदेश के खिलाफ दी गई याचिका पर दिया जिसमें पतंजलि के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई थी। दरअसल, डाबर इंडिया लिमिटेड ने पतंजलि के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शिकायत दायर की थी। डाबर ने पतंजलि पर आरोप लगाया था कि वो डाबर को बदनाम कर रहे हैं। जिसके बाद 3 जुलाई को दिल्ली

हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने पतंजलि के विज्ञापन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद पतंजलि ने आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी। मंगलवार को कोर्ट ने पतंजलि को "व्हाई सेटल फॉर ऑर्डिनरी च्यवनप्राश" कहने की अनुमति दी है, लेकिन इसके साथ "मेड विद 40 हर्ब्स" वाला हिस्सा हटाने को कहा है। पीठ ने कहा- यह च्यवनप्राश है, कोई प्रिस्क्रिप्शन ड्रग नहीं। अगर कैंसर की दवा के लिए कोई ऑर्डिनरी कहे तो गंभीर मामला हो सकता है, लेकिन च्यवनप्राश कई लोग खाते हैं। अपने को बेस्ट बताना और दूसरों को अपने से कम बताना जायज है क्योंकि यह सिर्फ अपनी तारीफ है। इससे पहले 3 जुलाई को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की सिंगल बेंच की कोर्ट ने पतंजलि को च्यवनप्राश का विज्ञापन चलाने से रोका था। अदालत ने कंपनी को "तो ऑर्डिनरी च्यवनप्राश क्यों?" और "जिनको आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहीं, चरक, सुश्रुत, धन्वंतरि और च्यवनऋषि की परंपरा के अनुरूप, ओरिजिनल च्यवनप्राश कैसे बना पाएंगे?"

सारण में दर्दनाक हादसा: पोखर में डूबने से 4 मासूमों की मौत

गड़खा (सारण)। गड़खा थाना क्षेत्र के फुर्सतपुर चंवर स्थित एक पोखर में मंगलवार को नहाने गए चार मासूमों की डूबकर मौत हो गई। यह हृदय विदारक हादसा मकिनपुर पंचायत के मरिचा ठिकहा गांव की है। चारों बच्चे एक ही परिवार से जुड़े बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया और देखते ही देखते मातमी सन्नाटा पसर गया। सूचना मिलते ही गड़खा थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार और सीओ नीली यादव पुलिस बल व गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद पोखर से चारों बच्चों के शव बाहर निकाले गए। हादसे के बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।मृतकों की पहचान 14 वर्षीय आशिष कुमार (पिता झ दरोगा सिंह), 11 वर्षीय मुन्ना कुमार (पिता झ मंशी लाल सिंह), 11 वर्षीय अंकुश कुमार और 13 वर्षीय कृष्णा उर्फ करिमन कुमार (पिता - मैनेजर सिंह) के रूप में हुई है।

दिल्ली की लव-कुश रामलीला से हटाई गईं पूनम पांडेय

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद लिया गया फैसला, बीजेपी-वीएचपी ने किया फैसले का स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली की मशहूर लव-कुश रामलीला से एक्ट्रेस पूनम पांडेय को हटा दिया गया है। रामलीला में पूनम मंदोदरी का रोल प्ले करने वाली थीं, लेकिन साधु-संतों और विश्व हिंदू परिषद के विरोध के बाद आयोजकों ने अब यह फैसला लिया है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, लव-कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा कि हिंदू समाज के विरोध को देखते हुए मंदोदरी का रोल किसी और को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूनम पांडेय को इसकी जानकारी दे दी गई है। अर्जुन कुमार ने यह भी कहा, पूनम पांडेय अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित थीं। उन्होंने भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए व्रत भी रखा था, लेकिन हमें उन्हें रामलीला से हटाना पड़ा, यह दुख की बात है। उन्होंने आगे कहा, भगवान राम हमेशा दुनिया को एकता और शांति का संदेश देते थे। अगर रामलीला में किसी कलाकार को लेकर लोग बंटने लगेंगे तो रामलीला का असली उद्देश्य और भगवान के जीवन से मिलने वाली सीख खत्म हो जाएगी। हम नहीं चाहते कि रामलीला के नाम पर समाज में

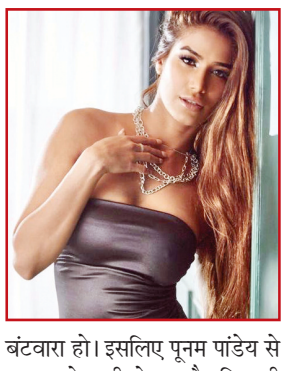

बंटवारा हो। इसलिए पूनम पांडेय से अलग होना ही बेहतर है। फिर भी मैं मानता हूं कि हर किसी को बदलने का मौका मिलना चाहिए। लव-कुश रामलीला समिति के इस फैसले का बीजेपी ने स्वागत किया है। दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीन शंकर कपूर ने कहा कि जब पूनम पांडेय के मंदोदरी बनने की घोषणा हुई थी, तो साधु संतों और सामाजिक कार्यकताओं में नाराजगी थी। उन्होंने आगे कहा, ह्लपूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका से हटाकर समिति ने धार्मिक समुदाय और आम लोगों की भावनाओं का सम्मान किया है। वहीं, विश्व हिंदू परिषद की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने भी समिति के कदम की सराहना की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि संगठन किसी कलाकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसे सार्वजनिक आयोजनों की सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है। दरअसल, लव-कुश रामलीला में मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका देने पर विवाद बढ़ गया था। लवकुश रामलीला कमेटी के फैसले पर बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद (VHP) ने आपत्ति जताई थी। दिल्ली बीजेपी मीडिया सेल के प्रमुख और लव-कुश रामलीला कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण शंकर कपूर ने आयोजकों को पत्र लिखकर कहा था कि पूनम पांडेय को हटाकर किसी और कलाकार को मौका दिया जाए।

"गरबा नी राजसभा" का हुआ भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित जयंती महोत्सव में मंगलवार को ट्रस्ट की युवा एवं महिला शाखा द्वारा "गरबा नी राजसभा" डांडिया नाईट का भव्य आयोजन किया गया। राजस्थानी एवं शाही थीम पर आयोजित कार्यक्रम में पाँच सौ से अधिक लोगों ने रंग-बिरंगे परिधानों में गरबा खेला। इस दौरान अलग-अलग आयु वर्ग में विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस का अवॉर्ड भी दिया गया। इस आयोजन के साथ ही ट्रस्ट द्वारा

आयोजित जयंती महोत्सव का समापन हो गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रमोद कंसल, अनिल शोरेवाला, शशिभूषण जैन, दिनेश बंसल, रमेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मीडिया प्रभारी कपीश खाटूवाला, युवा शाखा अध्यक्ष अंकित झुनझुनवाला, महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहें।